सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
*इंसान के परिचय की शुरुआत भले ही चेहरे से होती होगी..!!
लेकिन उसकी सम्पूर्ण पहचान, तो
वाणी, विचार एवं कार्यों से ही होती है...!!*
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–71 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 01 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

विशेष टिप्पणी

बस्तर : बंदूक सच और पत्रकार

दिवाकर मुक्तिबोध

छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की दृष्टि से बस्तर संभाग सबसे अधिक संवेदनशील क्षेत्र रहा है। लगभग पाँच दशकों तक नक्सली हिंसा और आतंक के बीच, अपनी जान की परवाह किए बिना जिस तरह यहाँ के पत्रकारों और रिपोर्टरों ने खबरों के लिए संघर्ष किया है, वैसा उदाहरण अन्यत्र दुर्लभ है। इसके पीछे परिस्थितियाँ भी बड़ी वजह रही हैं।

दुर्गम वन क्षेत्रों में, जहाँ सूर्य की रोशनी भी मुश्किल से पहुँच पाती हो, वहाँ से समाचार जुटाना और घटनाओं को कवर करना अत्यंत कठिन कार्य था। अबूझमाड़ जैसे बीहड़ इलाकों की इंच-इंच जमीन पर नक्सलियों के पदचिह्न मौजूद थे। उन्होंने वहाँ छोटे-बड़े सुरक्षित ठिकाने बना रखे थे और जगह-जगह बारूदी सुरंगें बिछी हुई थीं। ऐसी परिस्थितियों में वहाँ जाना मानो मृत्यु को निमंत्रण देने जैसा था।

इसके बावजूद बस्तर के पत्रकारों ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और हर महत्वपूर्ण घटना की जानकारी देश-प्रदेश तक पहुँचाते रहे। यह भी सच है कि माओवादी पत्रकारों के प्रति अपेक्षाकृत विनम्र रुख रखते थे। अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से वे समय-समय पर संवाददाताओं को अपने गुप्त ठिकानों तक आमंत्रित करते थे।

मीडिया उनके लिए एक आवश्यकता थी, लेकिन जो खबरें उनके खिलाफ जातीं या उनके हितों के प्रतिकूल होतीं, उन्हें वे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। पाँच दशकों के इस दौर में कई पत्रकार उनकी हिट लिस्ट में रहे, कुछ को प्रताड़ना झेलनी पड़ी और एक-दो हत्याओं की घटनाएँ भी सामने आईं। इसके बावजूद बस्तर की पुरानी और नई पीढ़ी के पत्रकारों ने अपने दायित्व का निर्वहन निरंतर किया।

दरअसल, नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र के पत्रकार दोतरफा खतरों के बीच जी रहे थे। एक ओर पुलिस उन्हें संदेह की दृष्टि से देखती थी, तो दूसरी ओर माओवादियों की नाराजगी का भय बना रहता था। इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए ही वे तटस्थ रिपोर्टिंग कर पाते थे। उन्हीं की वजह से सघन वन क्षेत्रों के छोटे-बड़े गाँवों में घटित घटनाएँ, जैसे पुलिस-नक्सली मुठभेड़, आदिवासियों का शोषण और अत्याचार, नक्सलियों का गुरिल्ला युद्ध, सुरक्षा बलों पर हमले, सामूहिक हत्याएँ तथा जन अदालतों में कथित मुखबिरों को दी जाने वाली भयावह सजाएँ, शहरों के अखबारों की सुर्खियां बनती रहीं।

झीरम, रानीबोदली और ताड़मेटला जैसी कई दिल दहला देने वाली घटनाओं के बाद फॉलोअप खबरों के लिए राष्ट्रीय मीडिया भी स्थानीय रिपोर्टरों पर निर्भर रहा। झीरम सामूहिक हत्याकांड की पहली विस्तृत खबरें और तस्वीरें जगदलपुर के युवा संवाददाता नरेश मिश्रा के माध्यम से सामने आईं, जो घटनास्थल पर सबसे पहले पहुँचे थे। पत्रकारों ने पुलिस की फर्जी मुठभेड़ों का भी पर्दाफाश किया, जिनमें आदिवासियों को नक्सली बताकर मार दिया गया था। बीजापुर जिले के पोंजेर की घटना इसका उदाहरण है, जहाँ सात आदिवासियों की हत्या कर शवों को जमीन में दफना दिया गया था, इस घटना को दंतेवाड़ा के युवा रिपोर्टर सुरेश महापात्र ने उजागर किया।

बस्तर के पत्रकार नक्सलवाद के उदय से लेकर उसके चरम और वतर्मान स्थिति तक के प्रत्यक्ष गवाह रहे हैं। आधी सदी तक भय और आतंक से जूझते इस क्षेत्र ने अत्याचार, हिंसा, शोषण और दमन की अनगिनत भयावह घटनाएँ देखी हैं।

वर्ष 2014 में केंद्र में बनी सरकार ने नक्सल समस्या को उच्च प्राथमिकता दी। 2023 में छत्तीसगढ़ में पुनः सरकार बनने के बाद नक्सल उन्मूलन के लिए दो वर्ष की समय सीमा निर्धारित की गई। इसके बाद केंद्र और राज्य के सशस्त्र बलों ने व्यापक अभियान चलाते हुए बस्तर को एक तरह से युद्ध क्षेत्र में बदल दिया। नक्सलियों को कमजोर करने के लिए सबसे पहले उनकी सप्लाई लाइन को काटा गया और सूचना तंत्र को सुदृढ़ किया गया। इसके आधार पर उनके गढ़ों को ध्वस्त करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाए गए।

निर्धारित समय सीमा 31 मार्च 2026 तक आते-आते अधिकांश बड़े माओवादी कमांडर या तो मारे गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षा बलों की आक्रामक रणनीति के चलते संगठन का नेतृत्व बिखर गया और अंततः शेष नक्सलियों को भी आत्मसमर्पण करना पड़ा। आज बस्तर लगभग नक्सल मुक्त हो चुका है। आधी सदी से चली आ रही इस गंभीर समस्या का दो वर्षों में समाधान एक बड़ी उपलब्धि है। इसका श्रेय जहाँ सरकार और सुरक्षा बलों को जाता है, वहीं बस्तर के पत्रकारों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कई महत्वपूर्ण अवसरों पर दोनों पक्षों के बीच पुल का काम किया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यदि उनका सहयोग न मिला होता, तो यह अभियान और लंबा खिंच सकता था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च को लोकसभा में नक्सल समस्या के 'लगभग' समाप्त होने की घोषणा की, जबकि राज्य के गृह मंत्री इसे पूरी तरह समाप्त होने का दावा कर रहे हैं।

यदि नक्सल आतंकवाद के संदर्भ में पत्रकारों की भूमिका देखें, तो स्पष्ट होता है कि जब-जब सरकार को उनकी आवश्यकता पड़ी, वे आगे आए। नक्सलियों द्वारा अपहृत पुलिस इंस्पेक्टर प्रकाश सोनी की रिहाई पत्रकारों की मध्यस्थता से ही संभव हो सकी, यह आपसी विश्वास का बड़ा उदाहरण है। ऐसे और भी कई मामले हैं, जहाँ उनकी भूमिका निर्णायक रही।

डिजिटल युग से पहले, प्रिंट मीडिया के दौर में सभी प्रमुख अखबार रायपुर से प्रकाशित होते थे और उनके अलग-अलग संस्करण नहीं थे। उस समय गाँवों और छोटे शहरों में तैनात संवाददाता ही घटनाओं को कवर करते थे। बस्तर में 1980 के दशक के बाद के संवाददाताओं में किरीट दोशी, बसंत अवस्थी, भरत अग्रवाल, राजेंद्र वाजपेई, सुरेश महापात्र, वीरेंद्र मिश्र, नरेश मिश्रा और सनत चतुर्वेदी जैसे नाम उल्लेखनीय हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने निडर पत्रकारिता की मिसाल पेश की।

समय के साथ खतरे बढ़ते गए, और 2005 से 2018 के बीच बस्तर लगभग पूर्णतः संघर्ष क्षेत्र बन गया। इस दौरान अनेक भीषण घटनाएँ हुईं, जिनमें हजारों लोग मारे गए। परिणामस्वरूप बस्तर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के लिए केंद्र बन गया।

पिछले एक दशक में डिजिटल मीडिया के पत्रकारों ने जमीनी रिपोर्टिंग के माध्यम से बस्तर की वास्तविक तस्वीर सीधे लोगों तक पहुँचाई। इससे न केवल खबरों की विश्वसनीयता बढ़ी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि वे निष्पक्ष संवाददाता हैं। मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दूर-दराज के वन क्षेत्रों में पहुँचकर उन्होंने साहसिक पत्रकारिता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

बस्तर जंक्शन के दिवंगत मुकेश चंद्राकर, उनके भाई युकेश चंद्राकर, बस्तर टॉकीज के रानू (विकास) तिवारी, सुरेश महापात्र, गणेश मिश्रा, सलीम शेख, राजा राठौर, बप्पी राय, के. शंकर और रौनक शिवहरे सहित अनेक युवा पत्रकारों ने यूट्यूब के माध्यम से लाइव रिपोर्टिंग कर व्यापक प्रभाव डाला। वहीं राष्ट्रीय मीडिया के पत्रकार जैसे रूचिर गर्ग, सुदीप ठाकुर, आलोक पुतुल, आशुतोष भारद्वाज, रितेश मिश्रा, रश्मि ड्रोलिया और सुप्रिया शर्मा ने भी घटनास्थलों से रिपोर्टिंग कर सच्चाई को सामने रखा।

नक्सल आंदोलन के अंतिम चरण में सरकार की ओर से बार-बार आत्मसमर्पण की अपील की गई। इस दौरान अनौपचारिक संवाद के लिए कुछ पत्रकार मध्यस्थ बने। यह कहना अधिक उचित होगा कि वे राष्ट्रहित में स्वप्रेरणा से आगे आए। विशेष रूप से रानू तिवारी, अंकुर तिवारी और रौनक शिवहरे ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने नक्सली कमांडरों से संवाद स्थापित किया और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया। पापाराव और देवजी जैसे कुख्यात नक्सली नेताओं के साक्षात्कार लेकर उन्होंने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

इन प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और संगठन धीरे-धीरे कमजोर होता गया। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन का श्रेय जहाँ सरकार और सुरक्षा बलों को जाता है, वहीं बस्तर के पत्रकारों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण रही है।

दरअसल, यह केवल एक सुरक्षा अभियान की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि उन अनगिनत पत्रकारों की भी कहानी है, जिन्होंने बंदूक और बारूद के साये में सच को जिंदा रखा। वे सिर्फ खबर लिखने वाले लोग नहीं थे, बल्कि कभी जोखिम उठाकर, कभी विश्वास बनाकर, दो विरोधी दुनिया के बीच संवाद का माध्यम बने।

आधी सदी तक चले इस संघर्ष में जब गोलियों की आवाजें गूंजती रहीं, तब इन्हीं पत्रकारों ने शब्दों के माध्यम से उस अंधेरे को दर्ज किया, ताकि सच कहीं खो न जाए।

आज जब बस्तर 'लगभग' नक्सल मुक्त होने की दहलीज पर खड़ा है, तब यह याद रखना जरूरी है कि इस मुकाम तक पहुँचने में केवल रणनीतियाँ और हथियार ही नहीं, बल्कि साहस, संतुलन और सच्चाई के प्रति प्रतिबद्धता भी उतनी ही निर्णायक रही है। बस्तर के इन पत्रकारों ने यह साबित किया है कि पत्रकारिता सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जोखिम भरे समय में लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज भी होती है और शायद यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

दण्डकारण्य आज हिंसा से विश्वास की ओर लौटने का साक्षी बन रहा है : सीएम साय

बस्तर में विश्वास की जीत : दण्डकारण्य में 25 माओवादी कैडरों की मुख्यधारा में वापसी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में 31 मार्च 2026 का दिन वामपंथी उग्रवाद के अंत के ऐतिहासिक और निर्णायक दिन के रूप में दर्ज हो रहा है। दण्डकारण्य क्षेत्र में पूना मारगेम - पुर्नवास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत 25 माओवादी कैडरों (12 महिला सहित) ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। यह घटना नक्सल आतंक के समापन की दिशा में एक स्पष्ट और ठोस उपलब्धि के रूप में सामने आई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन दण्डकारण्य और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है, जब वर्षों से चली आ रही हिंसा और भय की विचारधारा ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास, लोकतंत्र और जनशक्ति की जीत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले इन 25 माओवादी कैडरों पर कुल 1.47 करोड़ का इनाम घोषित था। इनका मुख्यधारा में लौटना इस बात का प्रमाण है कि अब भटके हुए लोगों का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और सरकार की पुनर्वास नीति पर मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और सरकार की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप माओवादी तंत्र निर्णायक रूप से कमजोर हुआ है। इसी क्रम में 93 घातक हथियारों के साथ 14.06 करोड़ की बड़ी बरामदगी भी हुई है, जो नक्सली नेटवर्क की कमजोर होती स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि विश्वास की वापसी है। दण्डकारण्य क्षेत्र आज शांति, स्थिरता और सामान्य जीवन की ओर लौटने के इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बन रहा है।

उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 का यह दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में उस तिथि के रूप में याद किया जाएगा, जब नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक परिणाम सामने आया और प्रदेश ने एक नए युग की दहलीज पर कदम रखा है।

40 हथियार सहित 5 माओवादी कैडर मुख्यधारा में लौटे

दंतेवाड़ा। दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत एक बड़ी सफलता सामने आई है। पूना मारगेम पुर्नवास से पुर्नजीवनह्व पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (DKSZC) से जुड़े 5 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है। खास बात यह है कि इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं, जिन पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण कार्यक्रम दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने भाग लिया।

40 घातक हथियारों की बरामदगी

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 40 घातक हथियार बरामद किए हैं। इनमें एसएलआर रायफल, इंसास रायफल, बीजीएल लॉन्चर, कारबाइन और .303 रायफल शामिल हैं। इस बरामदगी को नक्सली संगठन की सैन्य क्षमता पर बड़ा झटका माना जा रहा है।

इन कैडरों ने किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण करने वालों में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के एसीएम सोमे कड़ती समेत पार्टी सदस्य लखमा ओयाम, सरिता पोड़ियाम, जोगी कलमू और मोटी ओयाम शामिल हैं। ये सभी लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थे।

पूना मारगेम का असर

जिले में चल रही इस पुनर्वास योजना का असर साफ दिख रहा है। वर्ष 2024 से अब तक 607 माओवादी कैडर हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं। इसके अलावा संयुक्त अभियानों में 92 माओवादियों की गिरफ्तारी और 54 नक्सलियों के मारे जाने की भी जानकारी सामने आई है।

शांति व विकास की दिशा में बड़ा कदम

अधिकारियों के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित युवाओं को हिंसा के रास्ते से हटाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन देना है। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को पुनर्वास, सुरक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

अमित शाह को भूपेश बघेल ने दी खुली बहस की चुनौती

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि 31 मार्च को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कथन अनुसार छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का आखिरी दिन है। कल लोकसभा में उन्होने झूठ बोला कांग्रेस की सरकार ने मदद नहीं की। मैं चुनौती देता हूं कि अमित शाह को जिस मंच में जिस जगह में स्थान और समय तय कर ले मैं बहस के लिये तैयार हूं। लेकिन प्रदेश को और देश को गुमराह नहीं करना चाहिये। वह झूठ पे झूठ बोलते जा रहे है। नक्सलवाद के मामले में कांग्रेस का स्टैण्ड बहुत स्पष्ट रहा है और हमारी सरकार ने कांग्रेस के नीति के अनुरूप काम किया है। राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से हमने वहां के आदिवासियों को सम्पन्न बनाया। वनअधिकार पट्टे दिये, स्कूल खोले, उनके इलाज की व्यवस्था की, पीडीएस की दुकाने खोले, राशन कार्ड दिए, जबकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इसे महरूम रखा था, वंचित रखा था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार ने सब काम किये एवं नक्सल मोर्चे पर दो तरह की रणनीति अपनाई, पहली बात है कि बस्तर आदिवासियों की विश्वास अर्जित करना और दूसरी बात जैसे-जैसे नक्सलवाद पीछे हटते गये वहां हमने विकास के कार्य किये। लोगो का विश्वास बढ़ा और मुख्यधारा में लोग लौटे नक्सलवाद पीछे हटा और 600 गांव हमने खाली करवाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि शाह ने घोषणा किया था कि जिस गांव में नक्सलवाद मुक्त होगा उस गांव में हम 1 करोड़ रूपए देगें। अब नक्सलवाद आज 31 मार्च है समाप्त हो गया। अमित शाह बताये बस्तर के प्रत्येक गांव में 1 करोड़ रूपए कब देंगे? शाह लगातार झूठ बोल रहे है और बस्तर में जो हमारे डीआरजी के जवान शहीद हुये जो छत्तीसगढ़ के सरकार ने नियुक्त किया था और उन्हीं के बदोलत, ताकतवर और उन्हीं के शहादत से ही नक्सवाद आखिरी सांसे ले रहा है। शाह उनके बलिदान को नकार रही। ऐसे में अमित शाह 5 साल से जो हमारे जो जवान शहीद हुये उनका वो अपमान कर रहे है और झूठ पे झूठ बोले जा रहे है। आंकड़े निकाल कर देख लिजियेगा की कितने हमारे जवान शहीद हुये, कितने मोर्चे में हमने लड़ाई लड़ी, कितने जगह हमने नये कैंप खोले, कितने पीडीएस की दुकाने खोले, कितने स्कूल खोले, कितने आंगनबाड़ी खोले, कितने सड़के बनाई वो रिकार्ड में दर्ज है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अमित शाह झूठ मत बोलिये आपको शर्म आनी चाहिये आपको छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगनी चाहिये अन्यथा आप बहस के लिये तैयार है तो समय और स्थान तय करिये मैं निश्चित रूप से वहां उपस्थित होउंगा।

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी पूर्ण, सेवा कार्यों में सर्व समाज कल्याण समिति की दिखी सक्रियता

पहल

इंद्रजीत सिंह छोटू के नेतृत्व में सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को मिला विस्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई द्वारा 2 अप्रैल को आर्यनगर कोहका स्थित बीरा जी के अंगना में आयोजित होने वाले हनुमान जन्मोत्सव एवं विशाल भंडारे की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिम्मेदारियों का वितरण कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई।

इसी क्रम में सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महोत्सव के अंतर्गत नारी शक्ति अवार्ड समारोह में शामिल होकर इंद्रजीत सिंह छोटू ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली माताओं एवं बहनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर महिलाओं की भूमिका, आत्मनिर्भरता और समाज निर्माण में उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टी. जया रेड्डी एवं उनकी टीम को बधाई दी गई।

वहीं यूथ सिख सेवा समिति के सक्रिय सदस्य डॉ. हरजिंदर सिंह के सुपुत्र को समिति की ओर से 28,450 की सहयोग राशि का चेक प्रदान कर उनके परिवार की सेवा भावना का सम्मान किया गया। समिति ने डॉ. हरजिंदर सिंह के निरंतर समर्पण और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य आगे भी जारी रहेंगे और समाज के हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने का प्रयास निरंतर किया जाएगा। धार्मिक आयोजन, महिला सशक्तिकरण और सेवा कार्यों के समन्वय के साथ सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई क्षेत्र में सामाजिक एकता और सहयोग का मजबूत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

सकल जैन समाज ने निकाली महावीर जयंती पर शोभायात्रा

हर्ष और उल्लास के साथ मना भगवान महावीर जन्मकल्याण महोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव हर्ष और उल्लास के वातावरण में सकल जैन समाज की विशेष उपस्थिति में मनाया गया। प्रातः 7:30 बजे दिगंबर और श्वेतांबर जैन मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ हुई मारवाड़ी विद्यालय ओर कस्तुरबा बाल मंदिर में विधी विधान से पुजा अचर्ना के पश्चात भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई शोभायात्रा को सिहावा नगरी के भजन गायक मयंक डागा शुभम भंसाली ने अपने भक्ति गीतों से शानदार जानदार समा बांधा। शोभायात्रा में महापौर अल्का बाधमार भी हुई शामिल।

मारवाड़ी स्कूल से निकली यह शोभायात्रा होटल मान लुचकी तालाब फरिश्ता कंपलेक्स इंदिरा मार्केट भाजपा कार्यालय शनिचरी बाजार होते हुए गांधी चौक एवं दिगंबर जैन मंदिर में इस यात्रा का समापन हुआ। गंज मंडी प्रांगण में सकल जैन समाज के गौतम प्रसादी की व्यवस्था रखी गई थी।

पानी बचाने का दिया संदेश

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में भोजन के बर्तनों को सुधर्म जैन परिवार ने लकड़ी के बुरादों से बर्तनों की सफाई की और हजारों लीटर पानी बचत करने का संदेश दिया। इस कार्य में सुधर्म परिवार के युवा, महिलाएं, बड़ी संख्या में सैकड़ो जैन सदस्य इस कार्य में लगे हुए थे। जन्मोत्सव में इस कार्य की सभी वर्ग के लोगों ने सराहना की और ऐसा प्रयोग घरों से भी प्रारंभ करने की जरूरत है जिससे हम हर घर से हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। दोस्त यार ग्रुप के सदस्यों ने पुराना बस स्टैंड में भव्य भंडारे का आयोजन किया था जिसमें 4000 से अधिक लोगों ने भंडारे में भोजन किया।

पुराना बस स्टैंड में खतरगक्ष युवा एवं महिला परिषद में जीव रक्षा में एक कदम आगे बढ़ते हुए सैकड़ों की संख्या में सकोरे का वितरण किया, साथ ही राहों को राहगीरों को शरबत भी पिलाया गया। जिला चिकित्सालय दुर्ग में संजय बोहरा के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जैन समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के द्वारा किया गया। जिसमें जो महिला घर से व्यापार करती है उन्हें एक प्लेटफार्म देने के लिए वहां स्टाल लगाए गए और उन स्थानों पर वह अपने सामानों की बिक्री करते रहे।

इस शोभायात्रा में एक प्रयोग और करके देखा गया शोभायात्रा में निकलने वाले जैन समाज के युवा एवं महिला मंडलों के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग के योगेश बरडिया, विजय कोठारी, संदीप निमाणी, मनीष बड़जात्या, प्रवीण बोथरा, प्रभात सांखला, आकाश पारख, अक्षय जैन, संभव श्रीश्रीमाल, राहुल बरमेचा, नितेश पारख, भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में समस्त कार्यक्रमों में जिन जिन लोगों ने अपना समर्पण और सहयोग दिया उन सभी के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की है।

ई-चालान की भारी जुर्माना राशि के विरोध में कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

मध्यमवर्गीय पर आर्थिक बोझ -बाकलीवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ट्रैफिक पुलिस द्वारा ई-चालान के माध्यम से लगातार की जा रही कार्रवाई और भारी-भरकम जुर्माना राशि के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आम नागरिकों को राहत देने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान महंगाई के दौर में आम जनता, विशेषकर गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार, पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में 2000 से 5000 तक के ई-चालान आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहे हैं, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

कांग्रेस ने कहा कि कई मामलों में जानकारी के अभाव, तकनीकी त्रुटि अथवा अनजाने में हुई छोटी भूलों के कारण भी ई-चालान जारी हो रहे हैं, जो आम नागरिकों के लिए मानसिक तनाव और आर्थिक

परेशानी का कारण बन रहे हैं।

इस संबंध में धीरज बाकलीवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा जरूरी है, लेकिन नियमों के पालन के साथ मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है। मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में भारी-भरकम ई-चालान गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बन रहे हैं। छोटे उल्लंघनों पर चेतावनी, पहली बार गलती करने वालों को राहत और जुर्माने की राशि में व्यवहारिक कमी जैसे निर्णय आम जनता को बड़ी राहत दे सकते हैं।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि ई-चालान व्यवस्था की समीक्षा कर आम नागरिकों को राहत देने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, दीपक दूबे, राजेश यादव, रायसिंह ढिकोला, दीपक साहू , केके सिंह,गुरदीप भाटिया, आनंद ताम्रकर, दुष्यंत देवांगन, सुशील भारद्वाज ,ओमप्रकाश जोशी ,पोषण साहू ,प्रकाश जोशी, गौरव उमरे, राहुल शर्मा, अनूप वर्मा, खुर्सीद अहमद, संजय बत्रा, भीम सेन , चिराग शर्मा , जगमोहन ढीमर, दुष्यंत साहू, अनिल राव , आयुष शर्मा , अंश चतुर्वेदी, उपस्थित थे।

खास खबर

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग पर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के आदेशानुसार दुर्ग में आदित्य नारंग, सोनू साहू, आकाश कनौजिया के संयुक्त तत्वाधान में छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल के नाम साइंस कॉलेज दुर्ग के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया।

छात्र हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को मजबूत बनाने के लिए छात्रसंघ चुनाव अत्यंत आवश्यक है। प्रदेश महासचिव आदित्य नारंग ने कहा कि छात्र संघ चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे छात्रों को नेतृत्व और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का अवसर मिलता है। चुनाव नहीं होने से छात्रों की समस्याएं प्रशासन तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पा रही हैं।

नारंग ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2015 से छात्र संघ चुनाव बंद हैं, जिससे छात्रों का लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि छात्रहितों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द छात्र संघ चुनाव तत्काल बहाल किए जाएं, ताकि छात्रों को अपने अधिकारों के लिए मंच मिल सके।

ज्ञापन सौंपा वालों में मुख्य रूप से एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव आदित्य नारंग, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू साहू, प्रदेश महासचिव आकाश कनौजिया, वरुण केवलतानी, सुरेंद्र बाघमार, छात्र नेता युवा चंद्राकर, पीयूष सिन्हा, मृदुल सिंह, मयंक देशमुख, चेतन कुमार, अंजली साव, डिशा भारती, नारायण तिवारी, रिया निषाद, लक्ष्मी, गौरव निषाद, सोमा वर्मा एवं अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल : दीपक नगर स्कूल में बढ़ेंगी सुविधाएं, बनेंगे नए कक्ष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय स्कूलों के उन्नयन और संधारण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग के दीपक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल का विस्तृत निरीक्षण किये जहां विकास कार्य किया जाना है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में प्रस्तावित विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन किये और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्कूल में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जाएगा, जिससे पढ़ाई का माहौल बेहतर बनेगा। इसके साथ ही स्कूल परिसर में डोमशेड का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को खेलकूद, प्रार्थना सभा, शैक्षणिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियां और अन्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित एवं मौसम के अनुकूल स्थान उपलब्ध होगा।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि इन सभी निर्माण कार्यों से स्कूल का शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा तथा विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के 11 शासकीय स्कूलों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि 10 स्कूलों में स्मार्ट क्लास की सुविधा शुरू की गई है। इन स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल बोर्ड, ऑडियो-वीडियो सामग्री और आधुनिक तकनीक के जरिए पढ़ाई का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी समझ और रुचि में वृद्धि हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा के स्तर में किसी प्रकार का अंतर न रहे। हर बच्चे को समान अवसर मिले और वह आधुनिक शिक्षा से जुड़ सके, यही प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, पार्षद लीलाधर पाल, मनोज सोनी, आरईएस के इंजीनियर, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

ओपन रैपिड शतरंज स्पर्धा में वेदांत जायसवाल बने विजेता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एकेडमी 360° द्वारा द्वितीय ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन रविवार को महावीर कॉलोनी दुर्ग स्थित परिसर में किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के सहयोग से हुआ। प्रतियोगिता की शुरुआत जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष श्री ईश्वर सिंह राजपूत जी ने करते हुए अपने वक्तव्य से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से 115 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में 35,000 से अधिक की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफियां वितरित की गईं, साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन खिलाड़ी रहे- प्रथम वेदांत जायसवाल बिलासपुर , द्वितीय यश सिंह रायपुर , तृतीय ईशान सैनी दुर्ग से। विभिन्न आयु वर्ग में शानवी झा, मेधांश शोरी, तुषार यादव, भावेश महेश्वरी, माधी सिंह, सर्वेश लिल्हरे, चेतस मंडले, प्रांजल सिंह, परिधि लिल्हरे, गुणवंत साहू, युवराज साहू, भव्य टाटिया, चारवी मंडले, निशिता देवांगन, आलिया सी एम, सार्थक वर्मा ने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर एकेडमी 360° की ओर से आशीष सुराना जी ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि बच्चों को ऐसा मंच देना है जहां वे अपने सपनों को पहचानें, उन्हें आकार दें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। इसी दिशा में हमारा प्रयास है। उन्होंने कहा शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि यह धैर्य, एकाग्रता, निर्णय क्षमता और रणनीतिक सोच को विकसित करने का माध्यम है। ऐसे आयोजन बच्चों को अनुभव देने और संपूर्ण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सफल प्रतियोगिता के संचालन में इंटरनेशनल आर्बिटर राँकी देवांगन सहित मिथिलेश बंजारे, अनिल शर्मा, दिव्यांशु उपाध्याय और विक्रम सिंह राजपूत ने पूरे टूर्नामेंट का निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया। एकेडमी 360° द्वारा सभी आर्बिटर्स के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनकी विशेषज्ञता और मार्गदर्शन से यह आयोजन उच्च स्तर पर संपन्न हो सका।

24 गांवों की महिलाओं का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जनपद पंचायत दुर्ग के तत्वावधान में रविवार को ग्राम नगपुरा स्थित पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में नारी सशक्तिकरण एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रसोइया संघ, बिहान समूह, BRP CRP, बैंक सखी, कृषि सखी, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्र की उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान किया गया। अपने संबोधन में जिला पंचायत सभापति सुश्री प्रिया साहू ने महिलाओं से अपील की कि वे अपनी बेटियों को सुरक्षित रखें। उन्होंने दृष्टांत के माध्यम से आसपास संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने और सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जनपद अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी सुकदेव देवांगन ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। जिस घर में महिला नहीं होती, वह घर विरान हो जाता है। नारी के बिना सरकार की कोई भी योजना पूर्ण नहीं हो सकती।

उन्होंने अल्प समय में कार्यक्रम की सफल तैयारी के लिए सभी आयोजकों और सहयोगियों को बधाई दी।

भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने क्षेत्र के 24 गांवों की महिलाओं को संबोधित करते हुए झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, अवंति बाई लोधी, अहिल्या बाई होल्कर जैसी वीरांगनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की अधिकांश योजनाएँ महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही हैं, जो उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बना रही हैं।

इस अवसर पर जिला मंत्री गिरेश साहू, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा, पूर्व जिला पंचायत सभापति मुकेश बेलचंदन, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, जिला संयोजक मछुवारा प्रकोष्ठ शिव निषाद, नगपुरा सरपंच सरोज रिगरी, सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर यादव, विनोद साहू भाजुमो अध्यक्ष, रामकली साहू महिला मोर्चा अध्यक्ष, दिव्या साहू उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, चमन यादव महामंत्री भाजयुमो, सुकदेव देवांगन, बीजेपी सक्रिय कार्यकर्ता मनीष पठारी, पूर्व जनपद सदस्य भाना ठाकुर, शिव कुमारी वैष्णव, पंचगन आकाश सेन, संजय, खिलेंद्र, कल्याणी साहू उपस्थित थे।

श्री महावीर जयंती पर शोभायात्रा का हुआ स्वागत, हिन्दू युवा मंच ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा का हिन्दू युवा मंच द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम राहुल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के प्रति श्रद्धा और उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। हिन्दू युवा मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए भगवान महावीर जयंती की मंगलकामनाएँ दीं। इस दौरान उपस्थित जनसमूह में धार्मिक उल्लास और एकता का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता अरुण सिंह, हिन्दू युवा मंच के प्रदेश प्रमुख गोविन्दराज नायडू, महामंत्री राजेश शर्मा, अध्यक्ष श्रीकुमार नायर, भीम जैन, सुरेंद्र जैन, अरुण अग्रवाल, राजा देवांगन, शिवू सोनी, जय देवांगन, राज गुप्ता, नीरज देवांगन, हरि जगवेड़ा, अभिषेक प्रजापति सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों— अहिंसा, सत्य और करुणा—को जीवन में अपनाने का संदेश देते हुए समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

जिला चिकित्सालय में किया फल वितरण

भगवान महावीर जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में फल वितरण सोमवार 30 मार्च को सुबह 8:30 से किया गया। वीरमाता श्रीमती शायर देवी और वीर भ्राता उत्तम चंद सार्थक भंडारी परिवार की ओर से की गई इस पहल में मरीजों से संवाद भी किया गया और उनका कुशल क्षेम पूछा गया। इस अवसर पर उत्तम सार्थक भंडारी, ऋषभ जैन योगेश बरड़िया, सूरज कांकरिया, उत्तम बरड़िया, संभव जैन, सुनील कोठारी, प्रभात सांखला, सोहन काला, रजत लोढ़ा, प्रतीक कांकरिया, शुभम लोढ़ा, हरीश गोयल, दिनेश सुराना, धीरज, मनीष जैन, चंद्रशेखर पारख, अक्षय जैन, भावेश सांखला, विजय, पन्ना बाफना, महिला मंडल एवं अन्य लोगों की विशिष्ट भागीदारी रही।

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 3 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के गया नगर क्षेत्र में हुए आत्महत्या प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना दिए जाने के चलते युवक ने आत्मघाती कदम उठाया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गया नगर वार्ड क्रमांक 04 निवासी विशाल गुप्ता (30 वर्ष) के आत्महत्या मामले की जांच मर्ग क्रमांक 13/2026 के तहत की जा रही थी। जांच के दौरान परिजनों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल निरीक्षण और मेडिकल रिपोर्ट का गहन परीक्षण किया गया।

जांच में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि मृतक ने 11 मार्च 2026 को आत्महत्या से पहले अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो में उसने अपनी पत्नी और उसके परिजनों द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना दिए जाने का जिक्र किया था। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने 11 मार्च की रात करीब 10:30 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 108, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 157/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू की। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम उत्तर प्रदेश रवाना हुई, जहां तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 29 मार्च 2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी में तनु उर्फ मोहनी गुप्ता (25 वर्ष) निवासी गया नगर दुर्ग (वर्तमान पताः मौहदा, जिला हमीरपुर, उत्तर प्रदेश), शिवा गुप्ता (19 वर्ष) झ निवासी मौहदा, जिला हमीरपुर, उत्तर प्रदेश कृष्ण कुमार गुप्ता (50 वर्ष) निवासी सुमेरपुर पेलानी रोड, जिला हमीरपुर, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

आरोपियों से घटना से संबंधित एक मोबाइल फोन जप्त किया गया है। पुलिस जांच में आत्महत्या का कारण वैवाहिक विवाद और मानसिक प्रताड़ना बताया गया है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की मानसिक प्रताड़ना या पारिवारिक विवाद की स्थिति हो, तो तुरंत कानूनी सहायता लें और पुलिस को सूचना दें। आत्महत्या जैसे गंभीर कदम से बचें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। इस कार्रवाई में सिटी कोतवाली दुर्ग के उप निरीक्षक निर्मल सिंह ध्रुव, आरक्षक कमलेश देशमुख, विकास तिवारी एवं महिला आरक्षक लता रजक की विशेष भूमिका रही।

सेवानिवृत्त 3 पुलिस कर्मियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पुलिस बल दुर्ग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले तीन पुलिस अधिकारी/कर्मचारी मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। लगभग 41 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा पूर्ण करने के बाद इन अधिकारियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में भावभीनी विदाई दी गई।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों में— सहायक उप निरीक्षक छन्नूलाल कंवर, सहायक उप निरीक्षक बुजुराम वर्मा प्रधान आरक्षक क्रमांक 628 अशोक कुमार बांधे शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी सेवाओं की सराहना की। सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इन अधिकारियों ने अपने लंबे कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो आने वाली पीढ़ी के पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

कप्तान किरण पिस्दा ने छत्तीसगढ़ को फुटबॉल फाइनल में पहुंचाया, फायनल आज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कप्तान किरण पिस्दा की शानदार दोहरी भूमिका से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण के फाइनल में जगह बना ली है, जबकि राज्य की महिला हॉकी टीम ने भी कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचकर अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण ने मंगलवार को स्वामी विवेकानंद कोटा स्टेडियम में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच की स्टार रहीं। उनके हरफनमौला खेल की बदौलत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित समय के बाद 2-2 की बराबरी रहने पर पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में अब तक करीब 20 गोल कर चुकीं किरण ने एक बार फिर आक्रामक भूमिका निभाते हुए 18वें मिनट में गोल कर मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई।

हालांकि अरुणाचल प्रदेश ने 41वें और 86वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया और मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया। इसके बाद किरण ने साहसिक फैसला लेते हुए नियमित गोलकीपर योगिता की जगह खुद दस्ताने पहनकर गोलपोस्ट संभालने का निर्णय लिया। उनका यह निर्णय कप्तानी की मिसाल बन गया, जब उन्होंने दो शानदार बचाव किए और खुद एक पेनल्टी भी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जिससे टीम को फाइनल का टिकट मिला। अंतिम पेनल्टी के गोल के साथ ही मेजबान टीम ने मैदान पर जश्न मनाना शुरू कर दिया।

अपने प्रदर्शन पर किरण ने साई मीडिया से कहा, मैं अपनी टीम को हर हाल में फाइनल में पहुंचाना चाहती थी। मुझे गोलकीपर के रूप में अच्छा करने का भरोसा था। मैंने पहले भी अपनी राज्य टीम के लिए यह भूमिका निभाई है। मेरी मेहनत सफल रही और हम फाइनल में हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। अब फाइनल में छत्तीसगढ़ का सामना झारखंड और गुजरात के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। उल्लेखनीय है कि ग्रुप चरण में मेजबान टीम गुजरात को 2-1 से हरा चुकी है, जिसमें किरण ने भी एक गोल किया था।

वहीं, इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला हॉकी टीम आज पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेगी। सेमीफाइनल में मेजबान टीम को ओडिशा से 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब कप्तान कुजूर अश्विन के मार्गदर्शन में टीम पदक जीतने के लिए तैयार है। हॉकी का फाइनल भी 1 अप्रैल को झारखंड और ओडिशा के बीच खेला जाएगा।

खास खबर

राज्यपाल रमेन डेका से रेडियो संगवारी टीम ने की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से लोक भवन में रेडियो संगवारी की टीम ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान टीम ने रेडियो संगवारी की परिकल्पना, उद्देश्यों तथा आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम के संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि रेडियो संगवारी टीम द्वारा प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। राज्यपाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और ऐसे प्रयास इसे संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रेडियो संगवारी टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस अवसर पर रेडियो संगवारी टीम के डॉ. हेमंत सिरमौर, सुश्री श्रीया सिरमौर, शिवनंदन सरोज, तिलका साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर जशपुर जिले में लैब ऑन व्हील्स एम्बुलेंस की मिलेगी सुविधा

रायपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राज्यपाल रमेन डेका की उपस्थिति में आज लोक भवन, में एनएमडीसी लिमिटेड और छत्तीसगढ़ रेड क्रॉस सोसाइटी के बीच लैब ऑन व्हील्स एम्बुलेंस उपलब्ध कराने के लिए मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत जशपुर जिले के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई है।

इस परियोजना के तहत एक अत्याधुनिक मोबाइल लैब एम्बुलेंस जशपुर जिले के लिए उपलब्ध कराई जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 1 करोड़ 16 लाख 82 हजार रुपये है। इस मोबाइल प्रयोगशाला के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को विभिन्न जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हो सकेगा। मेमोरेंडम आफ एग्रीमेंट एनएमडीसी लिमिटेड, छत्तीसगढ़ रेड क्रॉस सोसाइटी और रेड क्रॉस जशपुर शाखा के बीच किया गया। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। राज्यपाल रमेन डेका ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लैब ऑन व्हील्स जैसी सुविधाएं विशेष रूप से आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से जरूरतमंद लोगों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान महावीर का सत्य-अहिंसा का संदेश हमारा पथ प्रदर्शक-मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के एमजी रोड स्थित दादाबाड़ी तीर्थ में आयोजित भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव 2026 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने दादाबाड़ी परिसर स्थित जिनमंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने समाज सेवा, पत्रकारिता, शिक्षा और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को जैन रत्न अलंकरण से सम्मानित किया और कहा कि ऐसे सम्मान समाज में सकारात्मक परिवर्तन और प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी का सत्य और अहिंसा का संदेश समस्त मानवता के लिए पथ प्रदर्शक है, जो हमें त्याग, तपस्या, करुणा और आत्मसंयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज एक सुखद संयोग है कि भगवान महावीर जयंती के पावन अवसर पर देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक उपलब्धि की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद सबसे बड़ी बाधा रहा है और बस्तर जैसे प्राकृतिक संपदा से समृद्ध क्षेत्र को लंबे समय तक विकास से वंचित रहना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और प्रभावी रणनीति के कारण आज नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने भगवान महावीर से प्रार्थना की कि छत्तीसगढ़ में शांति और विकास का यह वातावरण निरंतर बना रहे और भविष्य में कभी भी हिंसा का यह दौर वापस न आए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने सुशासन के संकल्प के साथ तेज गति से कार्य करते हुए विकास के अनेक आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंदों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, किसानों के हित में किए गए वादों को निभाया जा रहा है, महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ा गया है तथा रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को विकसित और समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री ने जैन समाज की सराहना करते हुए कहा कि समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और परमार्थ के क्षेत्र में जैन समाज का योगदान अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने, प्रेरित करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, लोकेश कावड़िया, भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह, विकास सेठिया, आनंद जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पीएम आवास निर्माण में देश में अव्वल-विजय शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल करते हुए पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। राज्य ने न केवल सर्वाधिक आवास निर्माण पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है, बल्कि मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हर्ष जताते हुए प्रदेशवासियों एवं हितग्राहियों को शुभकामनाएँ दी।

उन्होंने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत छत्तीसगढ़ ने 'एसएनए स्पर्श' के माध्यम से देश में सर्वाधिक व्यय कर उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन का भी उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2016 में योजना के प्रारंभ से अब तक एक ही वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास निर्माण का रिकॉर्ड भी इसी वर्ष दर्ज किया गया है, जो राज्य की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि आवास से आजीविका के अभिनव प्रयास के अंतर्गत निर्माण सामग्री की आपूर्ति से हजारों महिलाओं को रोजगार मिला है। जिसमें रोजगार पाकर 9000 से अधिक बिहान दीदियाँ लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। इसके साथ ही इस वर्ष 6000 से अधिक राजमिस्त्रियों को आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो देश में सर्वाधिक है।

उल्लेखनीय है कि इन प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों में 1400 महिलाएँ एवं 400 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल हैं, जो मुख्यधारा में जुड़कर विकास की नई कहानी लिख रहे हैं। पीएम आवास ग्रामीण के हितग्राहियों को स्थायी आजीविका से जोड़ने हेतु महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत कार्य भी कराए गए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ग्रामीण विकास और गरीबों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से न केवल पक्के घरों का सपना साकार हो रहा है, बल्कि लोगों की आजीविका, सम्मान और आत्मनिर्भरता भी सुनिश्चित हो रही है। राज्य आगे भी इसी गति और प्रतिबद्धता के साथ विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा।

सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम - मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के धरसींवा में नवनिर्मित तहसील कार्यालय का लोकार्पण किया। यह पहल प्रशासनिक सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन का मूल उद्देश्य यही है कि नागरिकों को उनकी जरूरत की सेवाएं समय पर, सरल और पारदर्शी तरीके से मिलें। धरसींवा का यह नया तहसील कार्यालय इसी संकल्प को साकार करता है। उन्होंने कहा कि इस भवन के शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को राजस्व संबंधी कार्यों में अब अधिक सुविधा और तेजी मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करते हुए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर नागरिक को बिना किसी अनावश्यक परेशानी के बेहतर प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध हो। नवनिर्मित तहसील कार्यालय में नायब नाजिर कक्ष, रिकॉर्ड रूम, माल जमार, नकल शाखा, कानूनगो कक्ष, भुइयां एवं भू-अभिलेख शाखा जैसी आवश्यक इकाइयों के साथ-साथ लोक सेवा केंद्र और आधार केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि इस आधुनिक तहसील कार्यालय का निर्माण 66.20 लाख रुपये की लागत से किया गया है, जो क्षेत्र के प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा और सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की लाइफलाइन हुई सशक्त : मुख्यमंत्री साय ने 370 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

300 बीएलएस , 70 एएलएस के साथ पहली बार 5 नियोनेटल एएलएस— नवजात शिशुओं के लिए चलते-फिरते आईसीयू की शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक पहल की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के सभी जिलों के लिए रवाना किया। इसके साथ ही 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं प्रदेशभर में तत्काल प्रभाव से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता सुनिश्चित होगी। इस पहल के अंतर्गत पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल अछर एम्बुलेंसों की शुरुआत की गई है, जो नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह सेवा राज्य की नवजात सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से उच्च स्तरीय उपचार केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं और पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का भरोसा सरकारी अस्पतालों में लगातार बढ़ा है, जहां उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है। उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण एवं उन्नयन के कारण अब लोगों को छोटे-छोटे इलाज के लिए दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि हर जरूरतमंद मरीज तक समय पर स्वास्थ्य सहायता पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का यह विस्तार आम जनता के विश्वास को और सशक्त करेगा कि संकट की घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पहली बार शुरू की गई 5 नियोनेटल अछर एम्बुलेंस सेवा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवजात शिशुओं के जीवन की सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से आज का दिन राज्य के लिए ऐतिहासिक है और इससे लाखों लोगों को त्वरित चिकित्सा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट करते हुए ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और आने वाले समय में इसमें और तेजी देखने को मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एम्बुलेंस सेवा में किसी भी प्रकार की देरी या कमी को शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिसके लिए विशेष मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया गया है।

प्रदेश में एम्बुलेंस सेवा की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर सहायता पहुंच सके।

नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इनमें प्रशिक्षित नवजात इमरजेंसी तकनीशियन, 247 ईएमटी एवं पायलट की उपलब्धता के साथ विशेषज्ञ चिकित्सक का ऑनलाइन मार्गदर्शन सुनिश्चित किया गया है। इन एम्बुलेंसों में इन्क्यूबेटर, वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, सिरिंज पंप, नेब्युलाइजर, सक्शन मशीन, पर्याप्त ऑक्सीजन सपोर्ट एवं 41 प्रकार की आपातकालीन दवाओं सहित सभी आवश्यक जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इन्हें चलते-फिरते नवजात आईसीयू के रूप में स्थापित करती हैं।

इसके अतिरिक्त, इछर एवं अछर एम्बुलेंसों में मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोमीटर जैसी जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाइजेशन एवं अन्य आपातकालीन उपचार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गंभीर मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप, लैरिंजोस्कोप सहित अन्य उन्नत उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। यह समग्र पहल प्रदेश के शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नागरिकों के लिए एक मजबूत जीवनरक्षक तंत्र के रूप में स्थापित होगी।

इस अवसर पर विधायक मोती लाल साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा, प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रणबीर शर्मा, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संपादकीय

कांग्रेस ने बड़ी चुनौती माना बड़ा कुछ किया कहां

राजनीति में किसी राष्ट्रीय समस्या का कोई समाधान होता है तो उसका श्रेय तो उस सरकार को मिलता है जो समाधान के समय राज्य व केंद्र की सत्ता में होती है। कोई समस्या राष्ट्रीय व राज्य की बड़ी समस्या है और कई दशकों पुरानी समस्या है तो यह तो माना जा सकता है कि राज्य व केंद्र की कई सरकारों ने इसे बड़ी समस्या माना होगा और समाधान के लिए कोशिश भी की होगी लेकिन बड़ी समस्या और बड़ी होती गई तो यह तो कहा ही जाएगा कि कई राज्य व केंद्र सरकारों ने समस्या के समाधान के लिए कोशिश की लेकिन वह समाधान करने में सफल नहीं हुए। नक्सलवाद की समस्या ऐसी ही समस्या रही है जो कांग्रेस के शासन काल में देश के लिए बड़ी समस्या बनी। कांग्रेस के समय ही तो नक्सलवाद देश के ज्यादातर राज्यों की बड़ी समस्या बना। कांग्रेस के पीएम मनमोहन सिंह ने इसे देश के लिए गंभीर चुनौती कहा जरूर था लेकिन गंभीरता से नक्सलवाद के सफाए के लिए कुछ किया नहीं।

मनमोहन सिंह के समय नक्सलवाद बड़ी चुनौती बना रहा और कांग्रेस सरकार उसके लिए कोई ऐसा बड़ा काम कर नहीं सकी जिसे याद रखा जाए और कांग्रेस की सराहना की जाए।लोकसभा में देश को माओवादी उग्रवाद से मुक्त कराने के प्रयास पर चर्चा का जवाब देते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने जो कुछ कहा है सच कहा है, कड़वा सच कहा है। यह सच ही तो हैं कि देश में आजादी के बाद ज्यादातर समय केंद्र व राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही है। नक्सली समस्या इसी समय पैदा हुई है देश भर में फैली और गंभीर समस्या बन गई। इसके लिए कोई कांग्रेस को दोषी न माने इसलिए नक्सली समस्या का कारण गरीबी व पिछड़ापन को बताया जाता था। कांग्रेस व उनके समर्थक तब कहा करते थे कि किसी क्षेत्र में नक्सलवाद है, माओवाद है तो उसका कारण गरीबी है और जब तक गरीबी है, पिछड़ापन है तब तक माओवाद,नक्सलवाद की समस्या तो रहेगी ही।इससे होता क्या था कि लोग मान लेते थे कि कांग्रेस सही कह रही है। गरीबी है इसलिए माओवाद,नक्सलवाद की समस्या है। देश के जिस दिन गरीबी मिट जाएगी, उस दिन माओवाद, नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा यानी उसे किसी सरकार को समाप्त करने की जरूरत नही है। वह हैं तो इसके लिए कांग्रेस सरकार दोषी नहीं है।

अमित शाह ने यह कहकर कांग्रेस की पोल खोल दी है कि किसी क्षेत्र में माओवाद है तो गरीबी के कारण नहीं है। किसी क्षेत्र में गरीबी है तो माओवाद के कारण है। किसी क्षेत्र में माओवाद है तो वह क्षेत्र के पिछड़पन के कारण नहीं है, कोई क्षेत्र आज भी पिछड़ा हुआ है तो वह माओवाद के कारण पिछड़ा हुआ है। अमित शाह ने देश को बताया कि माओवादियों ने आदिवासी जंगल वाले क्षेत्र को इसलिए चुना कि वह जंगलों में छिपकर रह सकते थे,सुरक्षित रह सकते थे। इसलिए वह आदिवासी क्षेत्र में हर तरह के विकास का विरोध करते रहे और क्षेत्र को पिछड़ा बनाकर रखा। क्षेत्र में गरीबी को बनाए रखा। अमित शाह ने यह भी सच कहा है कि आदिवासियों के आदर्श तो तिलका मांझी व बिरसा मुंडा हैं,नक्सली आदिवासी नहीं थे इसलिए उन्होंने अपना आदर्श माओ को माना। विदेशी विचारधारा के कारण आदिवासियों व देश के कई राज्यों को बहुत नुकसान हुआ है।

माओवाद के कारण देश व राज्यों को हुए नुकसान के बारे में अमित शाह ने देश को बताया कि नक्सलियों के कारण देश के 12२ राज्य रेड कारीडोर में बदल गए। 12 करोड़ लोग कई दशक तक गरीबी व पिछड़ेपन में जीते रहे। माओवादी हिंसा के चलते देश के 20 हजार लोग मारे गए है, जिनमें 5000 सुरक्षा कर्मी हैं।देश को आजाद हुए 75 साल हो गए हैं, इनमें से पचास साल से ज्यादा कांग्रेस सत्ता में रही। फिर आदिवासी विकास से वंचित क्यों रहे। आदिवासी गरीब क्यों रहे। आदिवासी पिछड़े क्यों रहे। अमित शाह ने सच कहा है कि कम्युनिष्ट पार्टी अन्याय नहीं संसदीय प्रणाली का विरोध करने के लिए बनी थी। 1969 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए इंदिरा गांधी ने स्वीकार की थी माओवादी विचारधारा, सत्ता के समर्थन के बिना तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कारीडोर का विस्तार संभव नहीं था। माओवादियों के साथ रहते रहते कांग्रेस व उसके नेता खुद माओवादी बन गए।

कांग्रेस के पीएम मनमोहन सिंह से लेकर सीएम भूपेश बघेल के समय नक्सलवाद बड़ी समस्या थी। लेकिन दोनों ने अपने समय में इसके लिए गंभीरता से प्रयास नहीं किए। नक्सली समस्या के समाधान के लिए जो कुछ भी किया जाता था वह दिखाने के लिए किया जाता था कि देखो हम कोशिश कर रहे हैं, देखो हम भी लड़ रहे हैं। कांग्रेस की कोशिश व लड़ने से समस्या का समाधान हुआ क्या, नहीं हुआ। भूपेश बघेल की कोशिश तो उनके शासन में यही बताने की रही कि राज्य की हर समस्या के लिए केंद्र की मोदी सरकार दोषी है। समस्या के समाधान कुछ सुरक्षा कैंप खोलने से नहीं होता। समस्या के समाधान के लिए तो 406 कैंप खोलने पड़ते हैं, 68 नाइट लैंडिंग हैलीपेड बनाने पड़ते हैं, 400 बुलेटप्रूफ वाहन जवानों के लिए खरीदने पड़ते हैं,घायल सुरक्षा कमिर्यों के इलाज के लिए 5 समर्पित अस्पताल खोलने पड़ते हैं,नक्सलियों के सुरक्षित ठिकानों में घुसकर 706 नक्सलियों को मारने पड़ते हैं, 2218 नक्सलियों का गिरफ्तार किया जाता है। 4839 नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए प्रेरित किया जाता है। करोड़ो रुपए खर्च करने पड़ते है तब जाकर देश व राज्य नक्सलमुक्त होते हैं. लोगों का सपना पूरा होता है।

बस्तर : दशकों के "विषदंत" के अंत का उद्घोष

सुरेश महापात्र

संकल्प से सिद्धि का मंत्र

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्? ॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्? ।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥

भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों को आश्वासन दिलाते हुए कहते हैं: 'जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट होता हूँ (अवतरित होता हूँ)' और 'साधुजनों का उद्धार करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की स्थापना करने के लिए, मैं हर युग में प्रकट होता हूँ'

छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में इससे ज्यादा सारगर्भित टिप्पणी इस विशेष दिन के लिए नहीं की जा सकती। आज बस्तर दशकों से बस्तर की नसों में दौड़ रहे उस हिंसा और प्रतिहिंसा की भावना के अंत की घोषणा का दिन है। जिसकी कल्पना भी आज से 24 माह पहले करना असंभव था।

आज से 16 बरस पहले सितंबर 2008 में बस्तर इम्पेक्ट का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। इसके बाद ना जानें कितनी मौतों और हत्याओं और शहादत को हमने प्रकाशित किया इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा तक रख पाना हमारे लिए तक असंभव हो गया। बेरहम और क्रूरता के साथ मारे जा रहे लोगों की पीड़ा को हमने पहले पृष्ठ से हटाकर अंतिम पृष्ठ तक पहुंचा दिया

दरअसल इन मौतों की खबरों को पहले पन्नों पर देखने के बाद हर सुबह दंतेवाड़ा ही नहीं बल्कि समूचा बस्तर सिसकने लगता था। किसी मां का लाडला अपने परिवार के भरण पोषण के लिए यहां आकर सुरक्षा बलों के भीतर अपनी तैनाती देता और अचानक खबर आती कि फलां जगह ब्लास्ट से वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार जवानों की शहादत को बिखड़े हुए टुकड़ों में समेटा गया और एक ताबूत में तिरंगा लपेटकर उसमें शहीद जवान की पहचान चस्पा कर दी जाती थी। सोचिए कितना भयावह होता होगा वह समय... हमने ऐसे सैकड़ों ताबूत देखे हैं।

हेमंत मंडावी जो ताड़मेटला में शहीद हो गया। उसका कसूर क्या था? बस वह चाहता था कि जगरगुंडा के फंसे लोगों तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था हो जाए। रास्ता साफ करवाने में जुटा था। माओवादियों ने एंबुश किया और उसके साथ छह और जवानों को लील लिया। उस दिन जंगल के भीतर माओवादियों के मोर्चा में फंसकर मारे गए इन मृत शरीरों को जिस तरह से निकाला गया था। मैं उसका भी प्रत्यक्ष गवाह बना। इस तरह की ना जानें कितनी वारदातें और ना जानें कितनी हत्याओं का सिलसिला दशकों तक बस्तर में चलता रहा।

रानी बोदली सीएएफ कैंप, एर्राबोर आदिवासियों का अस्थाई कैंप, मुरकीनार का सीआरपीएफ कैंप तो हमारे

अखबार के प्रकाशन से पहले ही रक्तिम इतिहास में दर्ज हो चुका था। पर ताड़मेटला में 76 जवानों की शहादत और झीरम में कांग्रेस के काफिले छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेतृत्व की बेरहम हत्याकांड को हमने अपने अखबार में दर्ज किया। चाहे 10 अप्रेल 2010 हो 13 मई 2013 तब देश में कांग्रेस का नेतृत्व था। तब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार की दृढ़ता में कमजोरी का इससे बड़ा उदाहरण हमने नहीं देखा।

यही वजह रहा कि बस्तर में हम सबने यह स्वीकार कर लिया था कि नक्सलवाद का नासूर यहां कभी ना खत्म होने वाली बीमारी की तरह है। इसका कभी उपचार हो सकेगा और कभी यह देखने को भी मिलेगा? यह सोचना सपना ही था। कहते हैं कभी—कभी ईश्वर जुबान पर सवार हो जाते हैं और वही शब्द निकलता है जो परिणाम का प्रदर्शित करता है। 2024 में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में यकायक एक डेडलाइन जारी कर दिया कि मार्च 2026 बस्तर से माओवादियों के समापन की तारीख होगी।

यह बेहद अविश्वसनीय बयान था। जिस पर केवल हम बस्तर के हालात को जमीन पर देखकर यह सोच सकते थे कि शिगूफा से ज्यादा कुछ नहीं है! छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिनकी सहजता, सरलता और सज्जनता को देखकर अनुमान लगाना कठिन था कि वे बस्तर के आदिवासी इलाके में माओवादियों के खात्मे के संकल्प को पूरा कर भी पाएंगे?

क्योंकि आदिवासी नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती आदिवासियों के सुरक्षा व संरक्षण की और माओवादियों के खांचे में दशकों से हिंसा का पाठ पढ़कर क्रूर और हिंसक हो चुके ऐसे आदिवासी माओवादी रहे... जिन्हें दशकों तक बाहरी माओवादियों ने अपने लाभ के लिए दिग्भ्रमित किया, वे हथियार लेकर खड़े थे।

बस्तर की धरा से हिंसा मुक्त समाज के निर्माण के लिए श्रीकृष्ण की तरह रथ की बागडोर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संभाली और वीर धर्नुधर अर्जुन की जगह पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सवार हुए... तब गीता का यह श्लोक गुंजायमान हुआ... भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों को आश्वासन दिलाते हुए कहते हैं:

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्? ॥

तब इस धमर्युद्ध में कौरवों का साथ ना देकर संविधान के प्रति संकल्पित आदिवासियों को विश्वास दिलाना कि यह धमर्युद्ध है जिसमें धर्म के पक्ष में खड़े होने वालों को समर्थन और संरक्षण दिया जाएगा। जो साथ नहीं होंगे उनके खिलाफ युद्ध होगा, उन्हें या तो समर्पण करना होगा या मरना होगा! सोचिए दो खांचों में दशकों से बंटे आदिवासियों की मनः स्थिति क्या होगी? इस पूरे युद्ध के माहौल में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की भूमिका बलशाली भीम जैसी रही। बस्तर पुलिस के प्रमुख पी सुंदरराज को भी इस योजना में रणनीतिकार की भूमिका के तौर पर याद रखा जाएगा।

बीते 24 माह में तीन हजार से ज्यादा माओवादियों के सशस्त्र कैडर का समर्पण, सैकड़ों सशस्त्र माओवादियों के मारे जाने और सैकड़ों माओवादियों के छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति के तहत मुख्यधारा में वापस लौटने की इस प्रक्रिया में साम, दाम, दण्ड और भेद की कुशल रणनीति का पालन साफ दिखाई देता है। इस ऐतिहासिक सफलता के अवसर में यदि सरकार की स्थिति में श्रेय की बात होगी तो यह साफ तौर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कृतसंकल्प का ही परिणाम है।

माओवादियों के मोर्चे पर फ्रंटफुट पर हथियार लेकर जंगल के भीतर डीआरजी के जवानों ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर जिस तरह की मुठभेड़ें इस दौरान दर्ज करवाई हैं। जिसमें जंगल से दुश्मनों की लाशें लादकार बाहर निकली फोर्स आत्मविश्वास से लबरेज रही।

कौन भूला सकता है माओवादियों के सबसे कठिन ठिकाने कर्रेगुट्टालू की पहाड़ी पर फतह की परिस्थितियों को भीषण गर्मी में भूखे, प्यासे जवानों ने माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ ढहा दिया। जिसकी इससे पहले कभी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी।

आज पूरा बस्तर नक्सलमुक्त हो चुका है। सरकार का संकल्प पूरा हो चुका है। पर अब सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही पहले से ज्यादा बढ़ गई है। क्योंकि विचार कभी मरते नहीं हैं। सच्चाई यही है कि विचार का पराजय किसी विचारधारा से बेहतर विचारधारा ही हो सकती है। यह अब सरकार को ध्यान रखने की जिम्मेदारी है। फिलहाल बस्तर की चिंता यहां के जंगल और जमीन को लेकर भी है। जिसे लेकर सरकार से पहले से ज्यादा संवेदनशीलता की उम्मीद हर किसी की होगी। खनिज संपदाओं के दोहन के लिए भूमि को माओवादियों से मुक्त कराए जाने की आशंका बस्तर के आदिवासी समाज के भीतर गहरे तक है।

पांचवीं अनुसूची प्रभावित इस क्षेत्र में मुख्यमंत्री आदिवासियों के मसीहा बनेंगे उनके विकास और उत्थान के लिए संकल्पित होकर काम करेंगे। हम सभी का विश्वास है कि दशकों तक जिन इलाकों में माओवादियों ने विकास को बाधित करके रोका था उन इलाकों के विकास के लिए तीव्रता के साथ ईमानदारी के साथ काम होगा।

भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी

अजीत द्विवेदी

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले में भारत पक्षकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले जरूर इजराइल की यात्रा पर गए थे। लेकिन भारत इस सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद इस युद्ध का बड़ा असर भारत के ऊपर होगा। भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा दोनों पर व्यापक असर होगा तो साथ ही खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों और पेशेवरों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंसेज यानी उनके पैसे पर भी असर होगा। इसके अलावा भारत की कूटनीति और सामरिक नीति भी प्रभावित होगी। सवाल है कि क्या भारत इस युद्ध की संभावना को देख रहा था और उसके असर से निपटने की कोई तैयारी हुई थी? दोनों का जवाब नकारात्मक है। अगर भारत युद्ध की वास्तविक संभावना देख रहा होता तो प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा पर नहीं जाते। जब युद्ध की संभावना नहीं दिख रही थी तो जाहिर है कोई तैयारी भी नहीं होगी।

ध्यान रहे भारत किसी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इजराइल के साथ साथ ईरान से भी पारंपरिक रूप से भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। इसलिए भारत के लिए यह एक कठिन परीक्षा की घड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। ईरान द्वारा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर किए जा रहे हमले को लेकर भी भारत ने चिंता जताई है और इसकी आलोचना की है। लेकिन ईरान के सवोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर भारत की चुप्पी से इसकी रणनीतिक स्वायत्तता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है। रूस और यूक्रेन युद्ध में उन्होंने कई बार यह बात कही है। लेकिन इजराइल और अमेरिका के हमले में भारत यह बात नहीं कह रहा है। यह भी रणनीतिक स्वायत्तता के भारत के दावे पर सवाल खड़े करता है।

बहरहाल, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के असर को समझना हो तो सबसे पहले भारत की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से इसे देखना होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 81 फीसदी हिस्सा आयात करता है। पश्चिम एशिया इस आयात का प्रमुख स्रोत है। अगर ईरान होरमुज की खाड़ी को बाधित करता है और लाल सागर में हूती द्वारा हमला करके उस क्षेत्र को डिस्टर्ब किया जाता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल होरमुज की खाड़ी से होकर गुजरता है। लेकिन भारत का 40 फीसदी तेल इस रास्ते से आता है। सोचें, अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है। अब अगर खाड़ी से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत की मुश्किल बढ़ेगी। इससे भारत पर अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा तेल खरीदने के दबाव बढ़ेगा।

तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। अभी यह 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है और अगर जंग जारी रहती है तो यह एक सौ डॉलर प्रति बैरल तक या उससे ऊपर भी जा सकता है। इससे भारत के आयात बिल में बड़ी बढ़ोतरी होगी। इसका असर भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत का चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और पहले से दबाव झेल रहा रुपया और दबाव में आएगा। अगर सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करती है तो उससे आम उपभोक्ताओं पर असर होगा और साथ ही परिवहन, उर्वरक, बिजली और विमानन सेवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। अंततः इसका बोझ भी जनता पर ही पड़ेगा। अगर महंगाई बढ़ती है तो उसका असर भारतीय रिजर्व बैंक की उदार ब्याज नीतियों पर भी पड़ेगा। केंद्रीय बैंक को सख्ती बरतनी होगी। अगर ब्याज दर बढ़ते हैं तो विकास दर में भी कमी आएगी।

एक अनुमान के मुताबिक खाड़ी देशों में 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ओमान जैसे देशों में भारतीय समुदाय की बड़ी मौजूदगी है। बाहर से भारतीय पेशेवर जो रेमिटेंस यानी पैसा भेजते हैं उसका एक तिहाई से ज्यादा करीब 35 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। यह बड़ी रकम होती है, जिसका कई राज्यों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होता है। अगर ईरान का युद्ध व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदलता है, तो सभी खाड़ी देशों की सुरक्षा स्थिति प्रभावित हो सकती है। ध्यान रहे ईरान ने लगभग सभी खाड़ी देशों पर हमला शुरू कर दिया है। ऐसी स्थिति में भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी एक बड़ी कूटनीतिक और मानवीय चुनौती बन जाएगी। भारत ने यमन और यूक्रेन जैसे संकटों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाए हैं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में संकट कहीं अधिक जटिल हो सकता है। रेमिटेंसेज में कमी आएगी, जिससे केरल और तेलंगाना से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश तक में लाखों परिवार प्रभावित होंगे।

भारत के सामने आर्थिक व ऊर्जा सुरक्षा से ज्यादा बड़ी चुनौती कूटनीतिक है। ईरान निश्चित रूप से चीन और रूस के ज्यादा करीब है लेकिन भारत के संबंध ऐतिहासिक और ऊर्जा आधारित रहे हैं। दूसरी ओर इज ?इल और अमेरिका के साथ भारत की रक्षा और रणनीतिक साझेदारी बेहद मजबूत है। ऐसे में भारत के लिए तटस्थ रहना और संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। भारत मल्टी एलायनमेंट की नीति पर काम कर रहा है। ऐसे में वह दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने और शांति बनाने की अपील कर सकता है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच पर उसे एक स्पष्ट पोजिशन लेनी होगी। अगर एशिया में हो रहे सैन्य टकराव में भी भारत मूक दर्शक ही रहता है तो वह वैश्विक मंच पर एक मजबूत मैसेज देने का मौका गंवा देगा। युद्ध के बाद इस क्षेत्र में हो सकता है कि अमेरिका की सैन्य उपस्थिति बढ़े। साथ ही इस क्षेत्र में नया इराक बनने की संभावना भी दिख रही है, जिससे अस्थिरता बढ़ेगी और स्थायी रूप से तनाव बना रहेगा। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए खरीद में विविधता लाने पर गंभीरता से विचार करना होगा और वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश और विकास भी करना होगा।

कई सभ्यताओं को नष्ट किया जलवायु परिवर्तन ने

मुकुल व्यास

सूखा ही नहीं बहुत ज्यादा पानी भी उतना ही नुकसानदायक हो सकता है। शिजियाहे की कहानी सिर्फ यही कहती है कि समाज को अव्यवस्थित करने के लिए चरम जलवायु को रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं, उसे बस लंबे समय तक टिकने की जरूरत है।

मानव इतिहास में जलवायु का हमेशा से ही अहम रोल रहा है। अच्छी जलवायु में अनेक सभ्यताओं का उत्थान हुआ और जलवायु बिगड़ने पर कई सभ्यताओं का पतन हुआ। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। जब सही समय पर बारिश होती है, तो फसलें उगती हैं और शहर फलते-फूलते हैं। जब ऐसा नहीं होता, तो लोग दूसरी जगह चले जाते हैं। लगभग 4,200 साल पहले, धरती पर एक बड़ा जलवायु परिवर्तन हुआ था। मध्य पूर्व से लेकर एशिया तक की सभ्यताओं ने मुश्किलें झेलीं। मध्य चीन में, शिजियाहे संस्कृति के नाम से जाना जाने वाला एक बड़ा और संगठित समाज खत्म होने लगा। सालों तक शोधकर्ता इस बात पर बहस करते रहे कि शिजियाहे के पुराने शहर को क्यों छोड़ दिया गया था। पहले उनका शक सूखे पर था।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब शिजियाहे के पतन का कारण यांग्त्जी वैली में बार-बार, लंबे समय तक होने वाली बारिश को बताया है। उनके नतीजों से पता चलता है कि इस इलाक़े में जबरदस्त बाढ़ आई थी। यह समझने के लिए कि

वास्तव में क्या हुआ, शोधकर्ता जमीन के नीचे गए। यांग्त्जी वैली के बीच में हेशांग गुफा के अंदर, उन्होंने स्टैलेग्माइट (कैल्शियम काबीनेट के भंडार) की स्टडी की जो गुफा के फर्श से धीरे-धीरे बढ़ रहा था। स्टैलेग्माइट तब बनते हैं जब छत से बारिश का पानी टपकता है और कैल्शियम काबीनेट की छोटी-छोटी परतें पीछे छोड़ जाता है।

साल दर साल, ये परतें इतिहास की किताब के पन्नों की तरह जमा होती जाती हैं। उन परतों की रासायनिक बनावट को मापकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चीज बनाई जिसे उन्होंने ह्यरेनफाल इयरबुकह्ल कहा। उन्होंने 1,000 साल की अवधि में हर साल कितनी बारिश हुई, यह पता लगाने के लिए 925 सैंपल माप लिए। इसके नतीजे साफ थे। घाटी में तीन सूखे दौर आए। हर दौर 40 से 150 साल तक चला, जब बारिश 700 मिलीमीटर प्रति साल (लगभग 28 इंच) से कम हो गई। इसने दो बहुत ज़्यादा बारिश वाले दौर भी झेले। एक 80 साल और दूसरा 140 साल, जब बारिश प्रति वर्ष 1,000 मिलीमीटर से ज्यादा हो गई।

जब शोधकर्ताओं ने बारिश के रिकॉर्ड की तुलना पुरातात्विक सबूतों से की, तो पैटर्न साफ हो गया। बारिश वाले दौर में गंभीर बाढ़, फैलती आद्रर्भूमि और आबादी में तेज गिरावट के संकेत मिले। लगभग 3,950 साल पहले इस इलाके में रिकॉर्ड में सबसे लंबे समय तक भारी बारिश हुई। झीलें फैल गईं। निचली जमीन गीली हो गई और खेती की जमीन कम हो गई। उसी समय, शिजियाहे कल्चर से जुड़े पुरातात्विक अवशेषों की संख्या कम होने लगी। यह गिरावट थोड़ी देर के लिए नहीं थी। यह सदियों तक चली। सबूत बताते हैं कि जो लोग बच गए, उन्होंने घाटी में अपना शहरी ठिकाना छोड़ दिया और ऊंची जगहों पर चले गए।

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के अर्थ साइंसेज डिपार्टमेंट और चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज (वुहान) की टीमों ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में एक गुफा के अंदर के क्लाइमेट रिकॉर्ड को जमीन के ऊपर एक संगठित समाज की नियति से जोड़ा है। अध्ययन में एक खास बात सामने आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि शिजियाहे सभ्यता के खत्म होने से जुड़े ज्यादा बारिश के समय के दौरान सबसे ज़्यादा बारिश आज के समय में रिकॉर्ड की गई कुछ बहुत ज़्यादा बारिश की घटनाओं से कम थी। यह बात मायने रखती है। पुराने समाजों में बांध, तटबंध, एडवांस्ड ड्रेनेज सिस्टम या बड़े पैमाने पर बाढ़ नियंत्रण की प्लानिंग नहीं थी। वे स्थिर मौसमी पैटर्न पर बहुत ज्यादा निर्भर थे। जब वे पैटर्न टूट गए, तो विकल्प कम हो गए।

शिजियाहे कल्चर ने बड़ी बस्तियां बनाई थीं और एडवांस्ड क्राफ्ट और ट्रेड नेटवर्क डेवलप किए थे। लेकिन ये लोग बढ़ती झीलों को भर नहीं सके या उन खेतों को वापस नहीं पा सके जो साल दर साल पानी में डूबे रहते थे। समय के साथ, दूर जाना ही शायद एकमात्र सही विकल्प रहा होगा। यह रिसर्च गर्म होती दुनिया के लिए सबक है। यह दिखाती है कि इंसानी सिस्टम बारिश में लंबे समय तक होने वाले बदलावों के प्रति कितने संवेदनशील हो सकते हैं। बहुत कम पानी खतरनाक है। बहुत ज्यादा पानी भी उतना ही नुकसानदायक हो सकता है। शिजियाहे की कहानी सिर्फ अतीत के बारे में नहीं है। समाज को अव्यवस्थित करने के लिए चरम जलवायु को रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं है। उसे बस लंबे समय तक टिकने की जरूरत है। चार हजार साल पहले, नियमित बारिश निरंतर बारिश में बदल गई। खेत डूब गए। शहर खाली हो गए। एक कल्चर जो कभी यांग्त्जी घाटी के बीच में फली-फूली, वह ऊंची जमीन पर बिखर गई। हेशांग की गुफा हर बूंद का हिसाब रखती थी। अब इसने सारी कहानी कह दी है। इस तरह की कहानियां दुनिया में दूसरी जगहों पर भी दोहराई गई हैं।

अतीत में भारत पर भी जलवायु परिवर्तन का असर पड़ा। वर्ष 1900 ईसा पूर्व और 1300 ईसा पूर्व के बीच सिंधु घाटी की हड़प्पा सभ्यता का पतन हुआ। यह परिवर्तन अचानक नहीं बल्कि पर्यावरणीय गिरावट, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक पतन के कारण धीरे-धीरे हुआ। नदियों के मार्ग में परिवर्तन, भीषण सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन इसके प्रमुख कारण थे, जिससे पारिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न हुआ। मानसून के कमजोर होने और शुष्कता बढ़ने से पानी की गंभीर कमी हो गई और कृषि उत्पादन में गिरावट आई, जिसके कारण आबादी को पूर्व और दक्षिण की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईंटें पकाने के लिए वनों की कटाई और संसाधनों के अत्यधिक दोहन के साथ-साथ लवणता में वृद्धि ने संभवतः भूमि की उर्वरता को नष्ट कर दिया।

सिंधु नदी के मार्ग में परिवर्तन और सरस्वती नदी के सूखने से कुछ क्षेत्रों में भीषण बाढ़ आई और अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ा। मेसोपोटामिया और संभवतः अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार में गिरावट ने शहरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। आज दुनिया तेजी से गर्म हो रही है। इसके परिणाम भी हम देख रहे हैं। यदि हमने जलवायु परिवर्तन के कारणों को समय रहते दूर नहीं किया तो हमें भविष्य में बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

गार्डन में विनेगर का इस्तेमाल करने से मिलते हैं ये बड़े फायदे

विनेगर एक ऐसी चीज है, जो हम सभी की किचन में मौजूद होता ही है। अधिकतर लोग विनेगर का इस्तेमाल अपने खाने को और भी अधिक टेस्टी बनाने के लिए करते हैं। कभी-कभी यह एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट के रूप में भी काम करता है। हालांकि, बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि विनेगर गार्डनिंग के दौरान भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इतना ही नहीं, जब आप गार्डनिंग में विनेगर को इस्तेमाल करते हैं तो आप अपने प्लांट से जुड़ी कई परेशानियों को आसानी से हैंडल कर पाते हैं। इस लेख में हम आपको गार्डन एरिया में विनेगर का इस्तेमाल करने से होने वाले कुछ बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं-

वीड्स को करें कंट्रोल

गार्डन में विनेगर के इस्तेमाल करने का एक फायदा यह है कि यह वीड्स यानी खरपतवार को कंट्रोल करने में मददगार साबित हो सकता है। आप वीड्स को कंट्रोल करने के लिए विनेगर को पानी में मिक्स करके सीधे उन पर स्प्रे करें। विनेगर एक नेचुरल वीड्स किलर के रूप में काम करता है, इसलिए जब आप उन पर स्प्रे करते हैं तो आप उन अनचाहे वीड्स को खत्म कर पाते हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि हेल्दी प्लांट्स पर इसका इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे उन्हें नुकसान हो सकता है।

मिलता है फर्टिलाइजर बूस्ट

जब आप विनेगर को अपने गार्डन में इस्तेमाल करते हैं तो यह मिट्टी में फर्टिलाइजर बूस्ट की तरह काम करता है। हालांकि, यहां आपको यह भी समझना चाहिए कि विनेगर पारंपरिक फर्टिलाइजर का विकल्प या रिप्लेसमेंट नहीं है। लेकिन फिर भी यह मिट्टी को मैग्नीशियम, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे कुछ आवश्यक तत्व प्रदान करता है। इसके लिए विनेगर में पानी मिक्स करके उसे इस्तेमाल करें।

क्लीनिंग में मददगार

विनेगर सिर्फ वीड्स कंट्रोल में ही मददगार नहीं है, बल्कि यह एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट के रूप में भी काम करता है। जब आप गार्डनिंग करते हैं तो आपके टूल्स काफी गंदे हो जाते हैं। ऐसे में उन्हें क्लीन करने के साथ-साथ डिसइंफेक्ट करने की भी जरूरत होती है। ऐसे में विनेगर काफी लाभदायक होता है। इसके लिए आप विनेगर के साथ पानी को मिक्स करें और फिर अपने गार्डनिंग टूल्स को क्लीन कर लें।

फंगल रोगों को रोकने में मददगार

अक्सर फंगल रोग प्लांट को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में आप सिरके का इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। सिरके के इस्तेमाल से आपको यह फायदा होता है कि इसमें एंटी-फंगल गुण होते हैं, जिससे आप अपने प्लांट को फंगल रोगों से बचा सकते हैं। इसके लिए आपको विनेगर को पानी में मिक्स करके एक पतला घोल बना लेना है और बस फिर उसे इस्तेमाल करें।

शॉपिंग में बहुत जरूरी है बारगेनिंग

शॉपिंग में बारगेनिंग बहुत जरूरी है, लेकिन सभी ऐसा अच्छी तरह नहीं कर पाते। वैसे, हर गेम की तरह बारगेनिंग गेम के भी कुछ रूल्स हैं, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ प्रॉडक्ट को सही रेट में खरीदा जा सकता है, बल्कि शॉपकीपर के साथ अच्छी ट्यूनिंग भी बनाई जा सकती है।

आइटम की मार्केट वैल्यू

किसी भी आइटम के लिए बारगेनिंग करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह खोजबीन कर लें। तमाम शॉप्स पर उसके रेट कंपेयर कर लें। इससे आपको आइटम की मार्केट वैल्यू का अंदाजा हो जाएगा। वैसे, सरकार ने कुछ जगह चीजों के दाम फिक्स भी कर रखे हैं। आप चाहें, तो अपनी रिसर्च वहीं से कर सकते हैं।

कई चीजें एक साथ पसंद करें

शॉपिंग से पहले यह तय कर लें कि आखिर आपको क्या खरीदना है। इसके बाद आपको अपने पसंदीदा आइटम का मोल-भाव करने पर फोकस करना चाहिए। कई चीजें एक साथ पसंद करके दुकानदार को ऐसा कतई मत महसूस होने दीजिए कि आप क्या आइटम पसंद कर रहे हैं। वरना वह आपको ज्यादा रेट बता सकता है।

यूनीक आइटम में समझौता

अपने दिमाग में सोच लें कि फलां चीज के लिए आप कितनी रकम दे सकते हैं। हालांकि अगर आपको कुछ यूनीक आइटम्स मिल जाएं, तो उसके लिए ज्यादा पैसे खर्च करने के लिए तैयार रहें। जाहिर है कि आप को दोबारा उसे खरीदने का मौका नहीं मिलने वाला।

दुकानदार को बोलने दें रेट

पहले दुकानदार को उसके रेट बोलने दें। उसे कभी यह अंदाजा न होने दें कि आप कितनी रकम देने के मूड में हैं। अगर आप पहले उसके रेट सुन लेंगे, तो फिर आप ज्यादा अच्छी तरह मोलभाव कर पाएंगे। अगर आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको तसल्ली से चीजें दिखाए, तो अपने साथ एक्स्ट्रा टाइम लेकर जाएं। अगर आप जल्दी में शॉपिंग करने जा रहे हैं, तो निश्चित तौर पर आप ज्यादा पैसे खर्च करके आएंगे।

राउंड फिगर में बोलना ठीक नहीं

मोलभाव करते वक्त कभी भी राउंड फिगर में अमाउंट ना बोलें। बजाय इसके 620 या फिर 1735 जैसी सेमी राउंड फिगर इस्तेमाल करें। इससे दुकानदार को लगेगा कि आपने मार्केट सर्च की हुई है। अगर दुकानदार आपके रेट के मुताबिक चीज नहीं दे रहा है, तो परेशान होने की बजाय उससे बात करना जारी रखें। अगर प्यार से बात करेंगे, तो दुकानदार आपको यह भी समझाने की कोशिश करेगा कि वह आपको कम रेट में चीज क्यों नहीं दे सकता।

40 फीसदी तक कम करके बोलें

बारगेनिंग की शुरुआत दुकानदार द्वारा मांगी गई रकम में से 40 फीसदी कम करके करें। उसके बाद अगले ऑफर में 35 पर्सेंट डिस्काउंट की डिमांड कर सकते हैं। अंत में दुकानदार आपको 20 फीसदी डिस्काउंट तो दे दी देगा। बारगेनिंग के दौरान अपने पसंदीदा आइटम को दोबारा निहारने लगें। इससे दुकानदार को फाइनल प्राइस सोचने का वक्त मिल जाएगा। हो सकता है कि आप उसकी प्राइस पर हामी भर दें।

आपके चेहरे पर ग्लो लाएंगे मुल्तानी मिट्टी के ये फेसपैक

सेहत के साथ स्किन का भी खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में वातावरण में नमी होने के कारण त्वचा पर चिपचिपाहट बढ़ने लगते हैं। इसके कारण स्किन में जलन, खुजली, दाग धब्बे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की परेशानी भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में आप मुल्तानी मिट्टी को अपनी डेली स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इससे तैयार फेसपैक लगाने से स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, ग्लोइंग, जवां व खिला-खिला नजर आता है।

इस मौसम में स्किन में जलन, खुजली, दाग धब्बे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की परेशानी भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में आप मुल्तानी मिट्टी को अपनी डेली स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती है।

मुल्तानी मिट्टी और आलू

सामग्री

मुल्तानी मिट्टी- 1-2 बड़े चम्मच
आलू का रस- जरूरत अनुसार

विधि

एक कटोरी में दोनों चीजें मिलाएं। तैयार मिश्रण चेहरे व गर्दन पर 10 मिनट तक लगाएं। बाद में ताजे पानी से इसे धोकर मॉश्चराइजर लगा लें।

फायदा

इससे त्वचा पर जमा एक्सट्रा ऑयल साफ होगा। चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे, झाइयां, काले घेरे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स आदि साफ होकर स्किन निखरी व खिली-खिली नजर आएगी।

मुल्तानी मिट्टी और हल्दी

सामग्री

मुल्तानी मिट्टी- 1-2 बड़े चम्मच
हल्दी- चुटकीभर
दही या गुलाब जल- जरूरत अनुसार

विधि

एक कटोरी में सभी चीजें मिलाएं। तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में गुनगुने पानी से इसे साफ करके चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं।

फायदा

मानसून दौरान बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है। ऐसे में हल्दी से तैयार यह फेसपैक स्किन इंफेक्शन से बचाव करेगी। साथ ही चेहरे पर ग्लो बरकरार रखने में मदद करेगी।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सामग्री

मुल्तानी मिट्टी- 1 बड़ा चम्मच
एलोवेरा जेल- 1 बड़ा चम्मच
गुलाबजल- जरूरत अनुसार

विधि

एक कटोरी में दोनों चीजें मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट के बाद इसे पानी से धो लें। बाद में कोई मॉइश्चराइजर लगा दें।

फायदा

इस फेसपैक को लगाने से पिंपल्स, एवने व चेहरे पर जमा एक्सट्रा ऑयल साफ होगा। ऐसे में चेहरा साफ, ग्लोइंग, मुलायम, जवां व फ्रेश नजर आएगा।

फैशन ट्रेंड के अनुसार करें कपड़ों का चयन

कहते हैं कि फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन। इसलिए जब भी कहीं जाएं तो अप टू डेट रहें ताकि देखने वाले बस आपको देखते रह जाएं। जरूरी नहीं कि आप खास मौकों पर ही तैयार हों। कहीं भी जाना हो- चाहे वह दोस्तों की पार्टी हो, ऑफिस की मीटिंग हो या पिकनिक। हर जगह मौके के हिसाब से पहनावे में बदलाव लाना चाहिए। इसके लिए आपको फिक्र करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको बता रहे हैं कि कब क्या पहनना चाहिए? वह भी फैशन ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए।

बिजनेस मीटिंग में

ऑफिस में काम करने वाली महिलाओं को अक्सर कभी मीटिंग में जाना होता है तो कभी लंच पर, ऐसे में अपने आउटफिट और फुटवियर पर खास ध्यान देना जरूरी है।

क्या हो आउटफिट- डार्क कलर की पेंसिल स्कर्ट, पैंट या ट्राउजर पहन सकती हैं और इन्हें पेस्टल कलर की शर्ट के साथ पहनें। यह आपको परफेक्ट बिजनेस लुक देगा।

कैसे हो फुटवियर- ऑफिस में हाई हील्स अवॉइड करें। प्लेटफॉर्म हील्स ट्राई करें। ब्लैक, व्हाइट और ब्राउन कलर के लेदर सैंडिल भी अच्छे लगेंगे।

पिकनिक पर

दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाना हो तो कैजुअल और आरामदायक कपड़े और फुटवियर का चयन करना सही होगा ताकि आपको भागने-दौड़ने में कोई दिक्कत न आए।

क्या हो आउटफिट- जींस, फ्लेयर्ड फुल लेंथ स्कर्ट, कैप्री यानी लेंथ स्कर्ट पहनें। आप बरमूडा या शॉर्ट पैंट भी ट्राई कर सकती हैं।

कैसे हो फुटवियर- स्लीपर, ब्राइट कलर की रबर या प्लास्टिक की चप्पल पहनें। ये आपको कूल लुक देगी।

डेट पर

जब ब्वॉयफ्रेंड के साथ डेट पर जाना हो तो वही पहनें जिसमें आप कॉन्फिडेंट महसूस करें।

क्या हो आउटफिट- ब्लैक, रेड, व्हाइट या इनके कॉम्बिनेशन की ड्रेस पहनें। ज्यॉमेट्रिक प्रिंट या लेदर टेक्सचर शाम के समय परफेक्ट लुक देगा।

बच्चों को बनाएं होशियार और शालीन

बच्चे वह नहीं सीखते जो आप कहते हैं, वे वही सीखते हैं जो आप करते हैं। अधिकतर पेरेंट्स के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढ़ने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपने दायित्व से तो मुक्त हो जाते हैं लेकिन क्या वे अपने बच्चों को अच्छी आदतें और संस्कार दे पाते हैं जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। अक्सर पेरेंट्स इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि हम अपने बच्चों की परवरिश किस तरह से करें तो हम आपको बताते हैं कुछ तरीके जो आपकी मदद करेंगे

बच्चा जब बड़ा होने लगता है तब ही से उसे नियम में रहने की आदत डालें। अभी छोटा है बाद में सीख जाएगा यह रवैया खराब है। उन्हें शुरू से अनुशासित बनाएं। कुछ पेरेंट्स बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर निर्देश देने लगते हैं और उनके ना समझने पर डांटने लगते हैं, कुछ माता-पिता उन्हे मारते भी हैं। यह तरीका भी गलत है। वे अभी छोटे हैं, आपका यह तरीका उन्हें जिद्दी और विद्रोही बना सकता है।

उनके साथ क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पेरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए रखें। और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं आदि।

दोस्ताना व्यवहार करें

अब वह समय नहीं रहा जब माता-पिता ने जो कह दिया वही सही है। अब समय बदल गया है,बच्चे मुखर हो गए हैं। उनका अपना नज़रिया है। माता-पिता को यह करना है कि बच्चों के साथ बॉस या हिटलर की तरह नहीं बल्कि दोस्त बनकर रहें। आपका यह तरीका बच्चों को आपके करीब लाएगा। वे आपसे खुलकर बात कर पाएंगे।

आत्मनिर्भर बनाएं

बचपन से ही उन्हें अपने छोटे-छोटे फैसले खुद लेने दें। जैसे उन्हें डांस क्लास जाना है या जिम। फिर जब वे बड़? होंगे तो उन्हें सब्जेक्ट लेने में आसानी होगी। आपके इस तरीके से बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा और वे भविष्य में चुनौतियों का सामना डट कर,कर पाएंगे।

जिद्दी ना बनने दें

जो पेरेंट्स बच्चों की हर मांग को पूरा करते हैं उनके बच्चे जिद्दी हो जाते हैं। यदि बच्चे बेवजह जिद करते हैं जिन्हें पूरा नहीं किया जा सकता तो उन्हें प्यार से समझाएं कि उनकी मांग जायज नहीं है।

गलत बातों पर टोकें

बढ़ती उम्र के साथ-साथ बच्चों की बदमाशियां भी बढ़ जाती है। जैसे - मारपीट करना, गाली देना, बड़ों की बात ना मानना आदि। ऐसी गलतियों पर बचपन से ही रोक लगा देना चाहिए ताकि बाद में ना पछताना पड़े।

अपनी अपेक्षाएं ना थोपें

कुछ अतिमहत्वाकांक्षी पेरेंट्स अपनी अपेक्षाओं को बच्चों पर थोपने लगते हैं। जिससे बच्चे तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनका स्वाभविक विकास नहीं हो पाता है। माता-पिता ऐसा ना करें क्योंकि बच्चा अपने साथ अपनी खूबियां लेकर आया है। उसे स्वाभाविक रूप से बढ़ने दें।

बच्चों के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग ना करें

बच्चे नाजुक मन के होते हैं। उनके सामने बड़े जैसा व्यवहार करेंगे वैसा ही वे सीखेंगे। सबसे पहले खुद अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें। सोच-समझकर शब्दों का चयन करें। आपस में एक दूसरे से आप कहकर बात करें। धीरे-धीरे यह चीज़ बच्चे की बोलचाल में आ जाएगी।

'धुरंधरः द रिवेंज' की सफलता के बीच पैपराजी पर भड़के संजय दत्त

संजय दत फिलहाल धुरंधर 2 को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्हें फिल्म में एसपी असलम चौधरी के किरदार के लिए काफी सराहना मिल रही है। इसके साथ उनके फिल्म से जुड़े कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। लेकिन अब एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जो चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल, संजय दत हाल ही में अपने परिवार के साथ डिनर पर निकले थे, लेकिन जैसे ही वो अपनी पत्नी मान्यता दत और बच्चों के साथ बाहर आए, वहां मौजूद पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और लगातार फोटो-वीडियो लेने लगे।

पैपराजी को देखकर संजय दत थोड़ा गुस्सा हो गए और उनसे 'बंद करना बे' कहते नजर आए।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। लोगों की ओर से इसपर मिक्सड रिएक्शन सामने आ रहा है। कई लोग प्राइवेसी को लेकर संजय दत का पक्ष रख रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग उनके इस व्यवहार को 'रूड' बता रहे हैं।

धुरंधर 2 में नजर आए संजय दत

बता दें कि संजय दत फिलहाल धुरंधर 2 फिल्म में नजर आ रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है और एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ती नजर आ रही है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1 हजार करोड़ की कमाई कर ली है। मूवी में संजय दत के अलावा रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन नजर आए हैं।

इन अभिनेत्रियों ने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में रखा कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डॉट बी शाय' की घोषणा की है। 'डॉट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डॉट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डॉट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डॉट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

अगर हुनर हो तो चर्चा में रहने के लिए विवाद की जरूरत नहीं पड़ती

रियलिटी शो 'द 50' अब खत्म हो गया है और शिव ठाकरे ने विनर की ट्रॉफी अपने नाम की। शो में शिव ठाकरे और प्रिंस नरूला के बीच काफी अच्छा बॉन्ड देखने को मिला। प्रिंस ने शिव को फिनाले तक पहुंचाने में मदद भी की थी। हाल ही में प्रिंस ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत की और शिव के साथ प्रतिद्वंदिता को एक हेल्दी कंपटीशन करार दिया। आईएएनएस ने प्रिंस से सवाल किया, 'एक समय था जब आपको 'रियलिटी शो का किंग' कहा जाता था, लेकिन अब कई लोग कहते हैं कि यह टैग अब शिव की तरफ जा रहा है। क्या आप इसे एक मुकाबला मानते हैं? प्रिंस ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'बिल्कुल, लेकिन सकारात्मक तरीके से। अगर यह विरासत मुझसे किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाती है, जिसके साथ मैंने काम किया है या फिर जिसे मैंने गाइड किया है, तो मुझे बेहद खुशी होगी और अगर मुझे दोबारा मौका मिलता है, तो मैं निश्चित रूप से फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। मैं चाहता हूं कि अगली पीढ़ी आगे बढ़े।'

शो में प्रिंस नरुला और रजत दलाल के बीच काफी तनातनी देखने को मिली थी, जो एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देने वाले प्रतिद्वंद्वियों के रूप में सामने आए थे। प्रिंस ने आईएएनएस के सामने रजत के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा, 'यह पूरी तरह गेम का हिस्सा था। कुछ लोग अटेंशन पाने के लिए राइवलरी पैदा करते हैं, क्योंकि विवादों में रहने से उन्हें चर्चा में बने रहने में मदद मिलती है। अगर उनमें सच में टैलेंट होता, तो उन्हें इसकी जरूरत ही नहीं पड़ती। यह सब उनकी रणनीति का हिस्सा है।' शो में अपने आक्रामक रवैये को लेकर अभिनेता ने कहा, 'मैं बहुत ही शांत स्वभाव का इंसान हूं। अगर आप मुझे प्यार और सम्मान देंगे, तो मैं आपको उससे भी ज्यादा प्यार और सम्मान दूंगा, लेकिन अगर आप बेवजह मुझ पर उंगली उठाएंगे, तो मैं भी उसी हिसाब से जवाब दूंगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि दूसरे लोग कैसा बर्ताव करते हैं। अगर किसी के काम ऐसे होते हैं, जिसके कड़ा जवाब देना पड़ता है, तो मैं जरूर आक्रामक हो जाता हूं।'

शो में प्रिंस नरूला और अरबाज के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे, जो हाथापाई में बदल गए। अरबाज ने अपनी गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली को प्रिंस द्वारा बॉडी-शेम करने के कथित आरोपों के बाद प्रिंस को थप्पड़ मारा, जिसके कारण अरबाज को शो से बाहर कर दिया गया था। इस विवाद पर बात करते हुए प्रिंस ने कहा, 'असल में हमने उसे काफी हद तक कंट्रोल करने की कोशिश की थी। यही कारण था कि हम शो में शांत और संयमित रहे थे। अगर हमने ऐसा न किया होता, तो हालात और भी ज्यादा खराब हो सकते थे। तो हां, हमने उसे जिम्मेदारी से संभाला।'

हॉलीवुड फिल्ममेकर के साथ काम करना चाहते थे वरुण धवन?

एक्टर वरुण धवन ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह मैं तेरा हीरो, हम्टी शर्मा की दुल्हनिया, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, बदलापुर और बॉर्डर 2 जैसी फिल्मों में नजर आए। वरुण धवन ने बी ए मैन, यार! से बातचीत में बताया कि उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले, हॉलीवुड में डेब्यू करने का सपना देखा था। वरुण ने कहा, मैंने एक्टिंग की कई क्लासें लीं। असल में, मेरी योजना हॉलीवुड में डेब्यू करने की थी, ताकि मैं अपने पिता को चौंका सकूं। उन्होंने आगे कहा मैं चाहता था कि या तो स्टीवन स्पीलबर्ग या फिर अनुराग कश्यप मुझे लॉन्च करें। जब करण ने मुझे लॉन्च किया, तो पिता को झटका लगा। इसके बाद वरुण धवन ने अपने पिता डेविड धवन के साथ कुली नं0 1 और जुड़वा 2 जैसी फिल्मों में काम किया। कैमरे के सामने आने से पहले, वरुण धवन ने करण जौहर के साथ फिल्म माई नेम इज खान में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। वरुण अपनी अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के लिए अपने पिता डेविड धवन के साथ काम कर रहे हैं।

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए मनोज बाजपेयी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

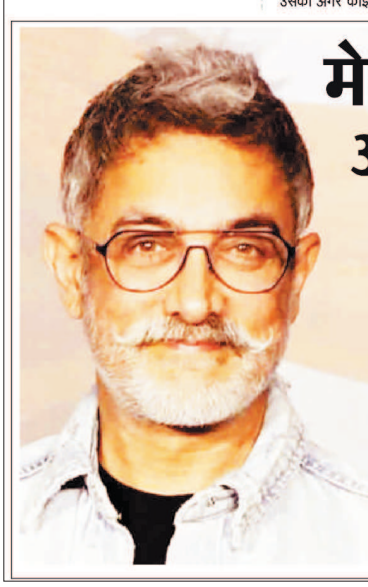

मेरी पैसों में दिलचस्पी नहीं, लोगों की आंखों में खुशी के आंसू एक्साइट करते हैं

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यही से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं।

'मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं'

आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती है, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी'

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

पहले ही वर्ष में प्रयास विद्यालय ने रचा इतिहास, 9वीं कक्षा के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय राजनांदगांव ने अपने प्रथम ही वर्ष में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय की नवमीं कक्षा के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होकर शैक्षणिक उत्कृष्टता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिले के प्रभारी सचिव अविनाश चंपावत आज प्रयास आवासीय विद्यालय राजनांदगांव में आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों से आत्मीय बातचीत कर उनकी पढ़ाई, तैयारी और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की दिशा में मजबूत तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीजापुर से आई छात्रा फरिश्ता जुर्री ने बताया कि प्रयास विद्यालय में उसे पढ़ाई का ऐसा वातावरण मिला है, जिसकी उसे अपेक्षा थी। उसके अभिभावकों ने भी कहा कि यहां की बेहतर शिक्षण व्यवस्था, नियमित क्लास और बच्चों के व्यक्तिगत मार्गदर्शन से वे बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी बेटी के भविष्य के लिए यह निर्णय बिल्कुल सही साबित हुआ है। दंतेवाड़ा के छात्र बामन ने कहा कि प्रयास विद्यालय ने उसकी पढ़ाई में नई

गति दी है। उसने बताया कि यहां की अनुशासित दिनचर्या, विषयवार मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में दी जाने वाली विशेष कक्षाएं उसके आत्मविश्वास को लगातार बढ़ा रही हैं। उसने कहा कि आगे चलकर वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेगा और प्रयास विद्यालय उसके सपनों को पूरा करने की मजबूत नींव बन रहा है।

प्रभारी सचिव चंपावत ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए नए बैच के प्रारंभ तथा सभी बुनियादी व्यवस्थाओं को समय पर दुरूस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि प्रयास विद्यालय उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल बन चुका है और आने वाले वर्षों में यह और भी बेहतर परिणाम देगा। इस अवसर पर कलेक्टर जितेन्द्र यादव, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल सहित विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एवं बच्चे उपस्थित थे।

खास खबर

पीएम गतिशक्ति योजना एवं भंडार क्रय नियमों के विषय पर हुई कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में पीएम गतिशक्ति योजना एवं भंडार क्रय नियमों के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं प्रक्रियाओं के सरलीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला में उप संचालक उद्योग संचालनालय श्रीमती मौसमी राहा द्वारा पीएम गतिशक्ति योजना के उद्देश्यों, क्रियान्वयन प्रक्रिया एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इसके साथ ही भंडार क्रय नियमों के प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, आयुक्त नगर निगम अतुल विश्वकर्मा, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सानू व्ही वर्गीस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जप्त वाहन को किया राजसात

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम कलगांव पोस्ट धमनार तहसील सकरी जिला धुले महाराष्ट्र निवासी प्रवीण खैरनार के स्वामित्व की जप्तशुदा वाहन महिन्द्रा एक्सयूवी 500 क्रमांक एमएच 18 एजी 9990 को छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 के प्रावधानों के तहत शासन के पक्ष में राजसात किया है। पुनरीक्षण अवधि समाप्त होने तथा सक्षम न्यायालय से किसी प्रकार का कोई आदेश प्राप्त नहीं होने की दशा में राजसात किए गए वाहन का गठित समिति द्वारा नियमानुसार नीलामी की कार्रवाई की जाएगी एवं प्राप्त राशि को छत्तीसगढ़ शासन के निर्धारित मद में खजाना दाखिल करने की कार्रवाई की जाएगी। सक्षम न्यायालय (सत्र न्यायालय राजनांदगांव) से आदेश के विरूद्ध कोई आदेश प्राप्त होने पर आगे की कारर्वाइ न्यायालय के आदेशानुसार की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उक्त वाहन से 2 नग गाय एवं 2 नग बछड़ा मवेशी का परिवहन किया जा रहा था।

पत्रकारबंधुओं की कलम, सबसे बड़ी ताकत : उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री देवांगन ने तिलक नगर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि पत्रकारबंधु एक ऐसा दर्पण होते हैं, जो समाज को सच का आईना दिखाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पत्रकारिता का मूलमंत्र है, समाचार पत्रों में जो छपता है, मीडिया में जो दिखता है, आमजन मानस उसे ही सच मानकर चलता है, अतः यह आवश्यक है कि समाचारों में निष्पक्षता, पारदर्शिता व निर्भीकता होनी ही चाहिये। उन्होने कहा कि प्रेस क्लब कोरबा एक ऊर्जावान संस्था है, जो पत्रकारिता व पत्रकारबंधुओं के हितों की रक्षा के लिये निरंतर कार्य कर रही है।

इस आशय के उद्गार मंगलवार को उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा के तिलक भवन स्थित प्रेस क्लब में आयोजित भूमिपूजन-लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 35 खरमोरा डाईट बिल्डिंग तिलक नगर पत्रकार कालोनी के समीप एनटीपीसी के सीएसआर मद से 15 लाख रूपये की लागत से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य कराया जाना है, जिसका वर्चुअल भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में तिलक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके हाथों किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 24 तिलक भवन प्रेस क्लब में पार्षद पंकज देवांगन के पार्षद मद से एलईडी प्रोजेक्टर, स्मार्ट टीव्ही, साउण्ड सिस्टम व स्क्रीन स्थापना आदि का कार्य कराया गया है, जिसका लोकार्पण भी उद्योग

सहजता, सरलता व सज्जनता के पर्याय हैं उद्योग मंत्री

इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल ने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन अपनी सहजता, सरलता व सज्जनता के लिये जाने जाते हैं, आमजनता के बीच में भी उनकी छवि एक सहज, सरल व सज्जन व्यक्ति के रूप में अंकित है, जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है, उन्होने अपने महापौर कार्यकाल और अब मंत्री कार्यकाल में उम्मीद से आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। अभी हाल ही में महापौर ने प्रेस क्लब के मल्टी जिम की मरम्मत के लिये 02 लाख रूपये दिये हैं, उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने प्रेस काम्पलेक्स में शौचालय निर्माण हेतु 10 लाख रूपये की राशि स्वीकृत कराई है, आगे भी लगातार उनके द्वारा सहयोग दिया जायेगा, जिसके लिये मैं उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के प्रति प्रेस क्लब कोरबा की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

मंत्री देवांगन के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने दिये गये अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि जब मैं कोरबा का महापौर था, उस समय प्रेस क्लब का निर्माण किया गया, उस समय भी और आज भी नगर निगम कोरबा द्वारा प्रेस क्लब के विकास व अन्य गतिविधियों के लिये लगातार सहयोग दिया जा रहा है, विकास कार्य कराये जा रहे हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सरकार ने पुनः इन योजनाओं को प्रारंभ कराया है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है तथा समाज के गरीब, निर्धन, मजदूर, किसान, युवा, महिला व हर वर्ग के लिये कल्याणकारी योजनायें संचालित कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य कर रही है।

उद्योग मंत्री विकास हेतु लगातार कर रहे फंड की व्यवस्था

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन कोरबा के सभी 67 वार्डों में विकास कार्य कराये जाने हेतु लगातार धनराशि की व्यवस्था करा रहे हैं, उनके प्रयासों से विगत 02 वर्षों के दौरान विभिन्न मदों के अंतर्गत 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्यों व परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी, पार्षद पंकज देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, ममता यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, प्रेस क्लब के संरक्षक मनोज शर्मा, अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल, उपाध्यक्ष रामेश्वर ठाकुर, सचिव नागेन्द्र श्रीवास, महासचिव रघुनंदन सोनी, कोषाध्यक्ष ई. जैन, कार्यकारणी सदस्य राजकुमार शाह, शेख असलम, नीलम पडवार, मधु डिडवानिया, रेणु जायसवाल, प्रीतम जायसवाल, अनिल यादव, प्रतिमा सरकार, ममता आदि के साथ समस्त पत्रकारबंधु उपस्थित थे।

वरिष्ठ पत्रकारों का उद्योग मंत्री व महापौर ने किया सम्मान

31 मार्च को कोरबा प्रेस क्लब का स्थापना दिवस भी मनाया गया, इस मौके पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने वरिष्ठ पत्रकारबंधुओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये उन्हें बधाई दी। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार छेदीलाल अग्रवाल, राजेन्द्र पालीवाल, विश्वनाथ केडिया, मनोज शर्मा, विजय खेत्रपाल, प्रेमचंद जैन, किशोर शर्मा, राजश्री गुप्ते, रवि पी .सिंह व आकाश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

नक्सलवाद से मुक्त हुआ देश, बस्तर में शुरू हुआ विकास का नया दौर : डॉ. रमन सिंह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नक्सलवाद के मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ समेत पूरा देश नक्सलवाद के अभिशाप से मुक्त हो चुका है। बस्तर जो वर्षों तक भय और हिंसा के साए में रहा, अब पूरी तरह नक्सल मुक्त होकर शांति, विकास और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि अब बस्तर की धरती पर फिर से खुशियों की बहार लौटेगी।

विकास के नए आयाम स्थापित होंगे और आम जनजीवन समृद्धि की ओर तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में ढोल-नगाड़ों की गूंज सुनाई देगी, लोक संस्कृति का पुनर्जीवन होगा और गांव-गांव में उत्सव, विश्वास और प्रगति का माहौल बनेगा।

सुरक्षा बलों के वीर जवानों को किया नमन

इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने सभी सुरक्षा बलों के वीर जवानों को नमन किया और देशवासियों को हार्दिक बधाई दी। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह परिवर्तन देश के सामूहिक प्रयासों और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है, जिससे अब बस्तर सहित पूरा क्षेत्र विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा।

प्रभारी सचिव अविनाश ने पीएमश्री स्कूल डोंगरगढ़ का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के प्रभारी सचिव अविनाश चंपावत ने पीएमश्री स्कूल डोंगरगढ़ का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण पद्धति, डिजिटल शिक्षण व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों का विस्तार से अवलोकन किया। प्रभारी सचिव ने बच्चों के साथ आत्मीय चर्चा की।

उन्होंने छात्रों से आगामी समर कैम्प में शामिल किए जाने वाले गतिविधियों के संबंध में सुझाव लिए और उनकी रुचि के अनुरूप कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की सुदृढ़ तैयारी कराई जाए तथा इसके लिए विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो। प्रभारी सचिव ने डिजिटल क्लासरूम में विद्यार्थियों को प्रभावी ऑनलाइन कोर्स और कौशल आधारित सीखने के अवसर प्रदान करने के निर्देश भी दिए। कम्प्यूटर कक्ष

के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बेहतर लर्निंग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालय में बच्चों को बेहतर शिक्षण व्यवस्था करने के निर्देश शिक्षकों को दिए। प्रभारी सचिव ने जिला शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को विद्यालय की गतिविधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान कलेक्टर जितेन्द्र यादव, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, एसडीएम एम भार्गव, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल उपस्थित थे।

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर फील्ड में जाकर कार्य करें-सचिव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रभारी सचिव अविनाश चंपावत ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागीय कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर फील्ड में जाकर कार्य करें और अटल मॉनिटरिंग पोर्टल एवं ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से सभी प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।

प्रभारी सचिव ने जिले में शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को और बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदकों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करानी पड़े, दोनों पक्षों की सुनवाई कर मामलों का निष्पक्ष एवं शीघ्र निराकरण किया जाए। प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को जनहित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेजी और

पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने धान उठाव, पीएम आशा योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की भी समीक्षा की। प्रभारी सचिव ने जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 हजार से अधिक घरों पर सोलर कनेक्शन लगने पर बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी राजनांदगांव निवासी संजय कुमार रघुवेन्द्र और कंचनबाग राजनांदगांव निवासी श्रीमती केकती साहू प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी राजनांदगांव निवासी संजय कुमार रघुवेन्द्र और कंचनबाग राजनांदगांव निवासी श्रीमती केकती साहू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाया है। जिससे उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और भविष्य में अतिरिक्त बिजली उत्पादन पर उन्हें आर्थिक लाभ भी मिलेगा। इस अवसर पर कलेक्टर जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

50 एकड़ की जमीन में अवैध प्लॉटिंग नगर निगम ने चलाया बुलडोजर

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

खमतराई के शिवा विहार कॉलोनी में अवैध प्लॉटिंग पर नगर निगम ने कार्रवाई की। यहां करीब 50 एकड़ जमीन के हिस्से में बिना अनुमति प्लॉट काटे जा रहे थे। कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर भवन शाखा की टीम मौके पर पहुंची और तोड़फोड़ की कार्रवाई की। निगम ने 30 से अधिक बाउंड्रीवाल, अवैध रूप से बनाई गई सीसी सड़कें और प्लिंथ लेवल तक बने करीब 50 निर्माण जेसीबी से ढहाए। जांच में पाया गया कि जमीन को काटकर प्लॉट तैयार किए जा रहे थे और निर्माण कार्य भी शुरू हो गया था। कार्रवाई के दौरान 18 मकानों को नहीं तोड़ा गया, क्योंकि उनमें लोग रह रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार इन मामलों में अलग से वैधानिक प्रक्रिया की जाएगी। जांच में सामने आया कि इस पूरे मामले में भूमाफियाओं ने बेहद चालाकी से काम किया है। वे किसानों से जमीन खरीदने के बाद उसे अपने नाम पर रजिस्ट्री नहीं करा रहे थे, बल्कि सीधे खरीदारों के नाम

पर रजिस्ट्री करवा रहे थे। इस वजह से मौके पर किसी भी भूमाफिया या डेवलपर का स्पष्ट दस्तावेज नहीं मिल पाया। निगम के मुताबिक पहले भी यहां कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अवैध प्लॉटिंग जारी थी। इस मामले में निगम के भवन अधिकारी अनुपम तिवारी ने बताया कि निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देशों पर खमतराई के शिवा विहार कॉलोनी में अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। यहां बनाई गई सीसी रोड, नाली और प्लिंथ लेवल तक के निर्माण को ढहा दिया गया है। करीब 18 मकान ऐसे हैं जहां लोग रह रहे हैं, इसलिए उन्हें नहीं तोड़ा गया है।

खमतराई के शिवा विहार में अवैध प्लॉटिंग मामले में राजस्व की रिपोर्ट के अनुसार यहां 25 से अधिक खसरा नंबरों की जमीन का बटांकन कर सैकड़ों छोटे प्लॉट बनाए गए हैं। खसरा नंबर 256/1 से 421/2 तक की जमीन का कुल रकबा करीब 1.15 हेक्टेयर (लगभग 2.8 एकड़) बताया गया है। जांच में पाया गया कि जमीन को 8, 10, 12, 18, 24 और 32 हिस्सों में बांटकर छोटे-छोटे प्लॉट तैयार किए गए।

कई खसरों में 30 से ज्यादा टुकड़ों में बटांकन दर्ज है। अनुमान है कि यहां 300 से अधिक प्लॉट तैयार किए गए हैं। प्लॉट बेचने के लिए मौके पर सड़क, बाउंड्रीवाल और अन्य संरचनाएं भी बनाई गई थीं। हालांकि इसके लिए नगर निगम या टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई। राजस्व रिकॉर्ड में नरेन्द्र पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, लोकेश पटेल, ईश्वरी पटेल, विजय विश्वकर्मा, ईश्वरी यादव, राजेश कश्यप, देव प्रसाद कश्यप समेत कई भू-स्वामियों के नाम दर्ज हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी को और मजबूत बनाने मीडिया, प्रभारियों और प्रवक्ताओं की जिम्मेदारी तय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने मंगलवार, 31 मार्च को अपने निवास पर मीडिया प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं की बैठक ली। बैठक में मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ताओं की जिम्मेदारी तय की गई ताकि जिला कांग्रेस कमेटी को और मजबूत बनाया जा सके। पार्टी की रीति नीति और दिशा निर्देशों को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनमानस तक पहचाने की जिम्मेदारी इन प्रवक्ताओं को दी गई। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजमोहन सिंह,रफीक खान, राजेश साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने भी अपनी बात रखी तथा पार्टी को मजबूत बनने पर जोर दिया।

जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पहली बार मीडिया प्रभारियों और प्रवक्ताओं की बैठक ली गई।

मीडिया प्रभारी और प्रवक्ताओं की पृथक पृथक जिम्मेदारी तय की गई ताकि सभी प्रवक्ता आपसी सामंजस्य बनाकर कार्य कर सकें। अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने सोशल मीडिया पर पार्टी को और मजबूत करने तथा पार्टी की आक्रामकता बढ़ाए जाने की बात कही ताकि पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो। श्री चंद्राकर ने कहा कि हमें अब चुप नहीं बैठना है। पार्टी के दिशा निर्देशों पर चलते हुए पार्टी के कार्यों को जनमानस तक पहुंचना है साथ ही भाजपा की हर गलत कार्यों का मुखर होकर विरोध करना है। इसके लिए प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया पर हमें अपनी बातों को प्रमुखता से रखना है।

जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने ली बैठक, आपसी सामंजस्य बनाकर कार्य करने का निर्णय

बैठक में सभी मीडिया प्रभारी और प्रवक्ताओं ने अपनी बात रखी तथा जनमानस से जुड़े मुद्दों को मीडिया के हर मंच पर पुरजोर तरीके से रखने की बात कही। जनमानस से जुड़े जो भी ज्वलंत मुद्दे हैं उन पर अध्यक्ष श्री चंद्राकर सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों से विचार विमर्श के पश्चात सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय हुआ कि लोगों से जुड़े मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन की योजना बनाई जाए और उसका प्रचार प्रसार तेजी से किया जाए। ताकि लोगों में कांग्रेस के प्रति लगाव बढ़े और वे कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ सके। बैठक में प्रवक्ता एवं मीडिया सलाहकार रवि शर्मा, जावेद खान, राजेश शर्मा, महेश जायसवाल, चंद्रकांत कोरे एवं रविंदर सिंह उपस्थित थे।

त्वरित टिप्पणी

युद्ध, तेल और सत्ता—देश किस मोड़ पर खड़ा है?

आलोक तिवारी

दुनिया के एक कोने में चल रहा तनाव आज हर घर की रसोई, हर गाड़ी के टैंक और हर परिवार के बजट को प्रभावित कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते संकट और डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीति ने वैश्विक तेल आपूर्ति को झकझोर दिया है। नतीजा साफ है—तेल महंगा, गैस महंगी और आम आदमी पर सीधा बोझ।

भारत में नरेंद्र मोदी सरकार लगातार यह भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं होगी। लेकिन दूसरी तरफ केरोसिन पर लगे प्रतिबंध को हटाने और पेट्रोल पंपों पर उसकी बिक्री शुरू करने का फैसला कई सवाल खड़े करता है। अगर सब कुछ सामान्य है, तो फिर वैकल्पिक ईंधन की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या यह आने वाले किसी बड़े संकट की आहट है? सरकार का तर्क है कि यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी की संभावित कमी को देखते हुए उठाया गया है। लेकिन विपक्ष इसे अलग नजरिए से देख रहा है। ममता बनर्जी से लेकर प्रियंका गांधी वाड्रा तक, सभी सरकार पर चुनावी समय में राहत और बाद में सख्ती के आरोप लगा रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या यह राहत स्थायी है या केवल चुनावी रणनीति?

सच यह है कि वैश्विक हालात बेहद अस्थिर हैं। अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और बढ़ता है, तो तेल की कीमतें और उछल सकती हैं। इसका असर सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहेगा—खाद्य पदार्थ, परिवहन, बिजली उत्पादन, हर क्षेत्र प्रभावित होगा। ऐसे में केरोसिन जैसे विकल्पों को फिर से सामने लाना एक तरह की झुआपात तैयारीह भी हो सकती है। लेकिन इसी बीच देश की राजनीति भी कम उथल-पुथल भरी नहीं है। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना और मुख्यमंत्री पद को लेकर उनकी शर्तें बिहार की सियासत को नए मोड़ पर ले आई हैं। वे साफ संकेत दे रहे हैं कि सत्ता से हटना आसान नहीं होगा और हर निर्णय उनकी शर्तों पर ही होगा।

एनडीए के भीतर मुख्यमंत्री पद, मंत्रालयों के बंटवारे और स्पीकर जैसे अहम पदों को लेकर खींचतान बताती है कि गठबंधन की राजनीति कितनी नाजुक हो चुकी है। दूसरी तरफ विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर इसे जनादेश के साथ धोखा बता रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में एक समानता साफ दिखती है—चाहे वैश्विक युद्ध हो या घरेलू राजनीति, सबसे ज्यादा असर आम जनता पर पड़ता है। एक तरफ महंगाई और ईंधन संकट का खतरा, दूसरी तरफ राजनीतिक अनिश्चितता।

आगे क्या होगा?: अगर वैश्विक तनाव कम नहीं हुआ, तो भारत को महंगाई, सप्लाई संकट और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। सरकार को पारदर्शिता के साथ स्थिति स्पष्ट करनी होगी और विपक्ष को भी केवल आरोप लगाने के बजाय ठोस सुझाव देने होंगे। जनता के लिए इस समय सबसे जरूरी है—घबराहट से बचना, अफवाहों से दूर रहना और वास्तविक जानकारी पर भरोसा करना। क्योंकि आने वाला समय चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन सही तैयारी और संतुलित फैसलों से हालात को संभाला भी जा सकता है। यह दौर केवल सरकारों की परीक्षा नहीं है, बल्कि पूरे देश की सामूहिक समझ और धैर्य की भी कसौटी है।

मजदूर संघ ने बीएसपी के कर्मचारियों को विभिन्न सुविधा उपलब्ध कराने की उठाई मांग

इस्पात मजदूर संघ की बैठक में समस्याओं पर किया गया मंथन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू के नेतृत्व में भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक इस्पात भवन कॉफी हाउस में सम्पन्न हुई। भिलाई इस्पात संयंत्र में व्याप्त समस्याओं के संबंध में बैठक में विचार विमर्श हुआ एवं सुझाव दिए गए। संयंत्र के कर्मचारियों और टाउनशिप ,सेक्टर-9 अस्पताल की ज्वलंत समस्याओं एवं संयंत्र के भीतर सुरक्षा को लेकर सभी ने चिंता जाहिर की। संघ ने स्पष्ट कहा है कि यदि प्रबंधन ने समय रहते उचित कदम नहीं उठाए, तो कर्मचारियों के बढ़ते आक्रोश का सीधा असर संयंत्र के उत्पादन पर पड़ सकता है। संघ ने कहा कि संयंत्र के कर्मचारियों ने यूनियन के प्रतिनिधियों को बताया कि संयंत्र में नॉन-फाइनेंशियल स्कीम का विस्तार हो।

संघ ने प्रबंधन द्वारा 11 मार्च 2026 से शुरू की गई 'नॉन-फाइनेंशियल स्कीम' का कर्मचारियों ने स्वागत तो किया, लेकिन इसकी अवधि (31 मार्च तक) को अत्यंत कम बताया है। कमचारियों की मांग पर महामंत्री ने मांग की है कि पूर्व वर्षों की भांति गर्मी के महीनों में उत्पादन की गति बनाए रखने के लिए इस स्कीम को 30 जून 2026 तक बढ़ाया जाए।

सेक्टर-9 अस्पताल में मरीजों की फजीहत एवं प्रबंधन पर संघ ने गैर जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी ।समय रहते चिकित्सा व्यवस्था में सुधार किया जाना चाहिए। नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

सेक्टर-9 अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर संघ ने कड़ा प्रहार किया है। संघ के अनुसार, अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन लंबे समय से खराब है, जिसके कारण अपॉइंटमेंट लेकर आने वाले कर्मचारी और उनके परिजन प्रतिदिन भटकने को मजबूर हैं। इसके अलावा, भीषण गर्मी को देखते हुए सभी ओपीडी प्रतीक्षालयों में तत्काल कूलर एवं पंखे लगाने की व्यवस्था करने की मांग की गई है।ओपीडी में समय पर डाक्टर उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।ओपीडी मे मरीजों की भीड़ एवं परेशानी को ध्यान रखते हुए ओपीडी में डाक्टरो की बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।

प्रमुख आर्थिक और सुरक्षा संबंधी मांगें

महामंत्री चन्ना केशवलू ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करवाया है ।

इंसेंटिव स्कीम: वर्ष 2007 से लंबित इंसेंटिव स्कीम का तत्काल पुनरीक्षण किया जाए ताकि कर्मचारियों को हो रहे आर्थिक नुकसान को रोका जा सके।

टाउनशिप व जलापूर्ति: भीषण गर्मी में टाउनशिप वासियों को दो समय पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित किया जाए।

मकानों का सब्जेक्टूकेसन शुरू किया जाये। जिससे संयंत्र के कर्मचारियों को लाभ मिले। अधिकारियों को मिलने वाले मकानों को कर्मचारियों को भी आबंटित किया जाए। जिससे कर्मचारियों को लाभ मिल सके। संयंत्र कर्मचारियों को उनके बच्चों के जन्मदिन,विवाह,तेरहवीं एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भिलाई क्लब,स्टील क्लब को आबंटित किया जाना चाहिए एवं सभी इस्पात क्लबों के आंबटन की प्रकिया को सरलीकरण किया जाए ताकि कर्मचारियों को इसका नियमित लाभ मिल सके ।

सड़क सुरक्षा: मुर्गा चौक से खुर्शीपार गेट तक अनियंत्रित वाहनों के खड़े रहने के कारण एवं अत्यधिक अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, वहां तत्काल प्रकाश व्यवस्था की जाए। साथ ही बोरिया गेट और इस्पात भवन मार्ग पर भारी वाहनों के अनियंत्रित जमावड़े और अवैध कब्जों पर रोक लगाई जाए। संयंत्र के अंदर वाहनों का स्पीड नियंत्रण करने के लिए प्रबंधन के द्वारा दिशा निर्देशों के अनुसार मोटर साइकिल की गति 30 एवं कार की स्पीड गति 40 की गति पर चलाने का निर्देश दिया गया है जो कि भिलाई इस्पात संयंत्र के नियमित कर्मचारियों के लिए है इसे ठेका श्रमिकों एवं ठेकेदारों के लिए भी निर्धारित किया जाना चाहिए ।

नियमित कर्मचारियों को मानसिक रूप से कमजोर करने का प्रयास प्रबंधन के द्वारा किया जा रहा है ।यह न्याय संगत नहीं है एवं प्रबंधन के द्वारा बार-बार नोटिस देकर कार्यवाही करने की चेतावनी दी जा रही है। जिससे कर्मचारी भयभीत एवं परेशान है। मानसिक तनाव से ग्रसित है।

जेपीचौक के गेट से कमर्चारियों के ड्यूटी आते जाते समय के एक घंटे के बाद गेट को खोला जाना चाहिए ताकि कर्मचारी दुर्घटना से बच सकें । संयंत्र के भीतर सड़कों पर जगह जगह पर स्क्रैप एवं स्लैग पड़े रहने पर रोड एक्सीडेंट की आशंका रहती है उसे तत्काल हटाया जाना चाहिए । संयंत्र में मिक्सर क्रेन आपरेटर की कमी के चलते आपरेटरो पर भारी कार्य के दबाव के कारण आपरेटर के स्वस्थ मे लगातार गिरावट आने के कारण कमचारी मानसिक रूप से परेशान हैं । प्रबंधन समय रहते इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेकर उचित कार्यवाही करने की मांग भिलाई इस्पात मजदूर संघ करता है ।

संघ ने चेतावनी दी है कि संयंत्र में सुरक्षा शांति और निरंतर उत्पादन के लिए प्रबंधन को इन मूलभूत मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए। नहीं तो संघ कर्मचारियों के साथ मिलकर आंदोलन कर सकता है। जिसकी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। जिसका असर संयंत्र की सुरक्षा एवं उत्पादन क्षमता पर पड़ेगा। वह जानकारी संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू ने दी। बैठक में संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू, उपाध्यक्ष मृगेंद्र कुमार, सुधीर गडेवाल, जगजीत सिंह, संयुक्त महामन्त्री प्रदीप कुमार पाल, अनिल गजभिये, सचिव संजय कुमार साकुरे, अखिलेश उपाध्याय, नारायन प्रसाद बाजपेयी, संतोष जगन्नाथ नाले, नेहरू साहू उपस्थित थे।

उत्कल दिवस पर भंडारे का आयोजन आज

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा 1 अप्रैल को उत्कल दिवस के अवसर पर सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया है। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि उड़िसा के स्थापना दिवस पर यह आयोजन किया जा रहा है। भिलाई-दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ में उड़िसा के सामाजिक बंधुगण निवासरत हैं। यह आयोजन बुधवार शाम 6 बजे से शुरु होगा। जिसमें भिलाई-दुर्ग के कार्यकर्ता सहित पदाधिकारीगण भी मौजूद रहेंगे। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय उड़िया समाज उत्कल दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

एशियन गेम के लिए छाया और संजू का चयन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ और राजनांदगांव कबड्डी संघ के लिए गौरव का विषय है कि एशियन गेम के पहले टीम चयन के लिए राजनांदगांव से राष्ट्रीय खिलाड़ी छाया चंद्रवंशी और विश्व कप के स्टार खिलाड़ी संजू देवी को भारतीय सिलेक्शन कमिटी ने कैंप में बुलाया है ज्ञात हो कि दोनों खिलाड़ी अपनी उपस्थिति गुजरात के साई सेंटर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है और दोनों का प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है संजू राइट साइड की रेडर है जबकि छाया चंद्रवंशी लेफ्ट साइड की रेडर है दोनों महिला खिलाड़ी भविष्य के भारतीय टीम में सिलेक्ट होने के आसार हैं राजनांदगांव जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष ऋषि देव चौधरी सचिव एवं कोच ललित साहू आजीवन अध्यक्ष अशोक चौधरी ने दोनों खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

इंजीनियरिंग पार्क फैक्ट्री में केमिकल रिसाव से मचा हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के हथखोज इंजीनियरिंग पार्क स्थित थेथिस हाइड्रोकार्बन कंपनी में पाइपलाइन फट गई और आग लग गई। घटना मंगलवार की रात की बताई जा रही है। कंपनी से धुआं निकलने लगा जिससे आसपास के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पूरे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद केमिकल से निकलने वाले धुंआ पर काबू पाया गया। शुरुआत जांच में कंपनी प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है।

जांच में कंपनी प्रबंधन की लापरवाही उजागर

हथखोज के इंजीनियरिंग पार्क के थेथिस हाइड्रोकार्बन कंपनी में केमिकल ने अचानक धुआं निकलते देख कमर्चारी के साथ इलाके में अफरा तफरी मच गई। आरोप है कि इसके बाद भी कंपनी प्रबंधन ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग या पुलिस को नहीं दी। लेकिन जब आस पास के लोगों ने आग की लपटे और धुआं देखा तो इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। उसके बाद आनन-फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र सिंह ने बताया कि थेथिस हाइड्रोकार्बन कंपनी में पिंच ऑवल के लोडिंग के दौरान अचानक पाइपलाइन फटने जाने से जमीन पर फैल गई और हवा के संपर्क में आने से धुआं निकलने लगा। धुएं से आसमान काला पड़ा गया और आसपास रहने वालों को सांस लेने में परेशान होने लगी। दमकल विभाग ने केमिकल से निकाने वाले धुंआ को काबू में पाया। दमकल विभाग को शुरुआत जांच में कंपनी प्रबंधन की लापरवाही सामने आया है। विभाग द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन समेत अन्य बिंदुओं पर जांच की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

राजनांदगांव। 12 वर्षों से हनुमान जयंती आयोजन समिति जय स्तंभ चौक द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी हनुमान जयंती आयोजन समिति के द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन एकदिवसीय हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसके तहत 1 अप्रैल बुधवार को हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर शोभायात्रा निकाली जाएगी आयोजन समिति के झम्मनलाल देवांगन एवं राजेंद्र यादव ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव आयोजन समिति द्वारा विगत 12 वर्षों से मनाई जा रही है इस वर्ष भी यह आयोजन किया जा रहा है समिति के पदाधिकारी ने बताया कि महोत्सव की पूर्व संध्या अर्थात अर्थात 1 अप्रैल को दिन बुधवार को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी शोभायात्रा में विभिन्न प्रकार के आयोजनों को रखा गया है। शोभा यात्रा में धूमाल पार्टी रंग तरंग सजीव झांकी सहित रंग तरंग ब्लास्ट फ्लाई फ्लावर डेकोरेशन राउत नाचा पंथी मादरी नृत्य बैंड पार्टी और भजन आदि के साथ में एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

सर्वेश्वर दास हायर सेकेंडरी स्कूल के गांधी सभागृह से शोभायात्रा प्रारंभ होगी जो गुरुद्वारा चौक मानव मंदिर चौक वहां से गांधी चौक गांधी चौक से दुर्गा चौक बसंतपुर थाना होते हुए सदर बाजार होते हुए भारत माता चौक वहां से तिरंगा चौक और तिरंगा चौक से रामाधीन मार्ग रामाधीन मार्ग से सुरजन गली कामठी लाइन होते हुए पुनः भारत माता चौक भारत माता चौक से आजाद चौक और आजाद चौक से गुडाकू लाइन में प्रवेश कर जुनी हटरी होते हुए जय स्तंभ चौक वहां से जी रोड जाकर महावीर चौक होते हुए पुनः गांधी सभागृह म्युनिसिपल स्कूल में शोभायात्रा का विसर्जन होगा।

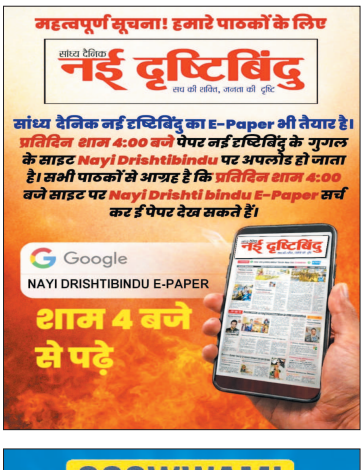

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।